छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

संकल्प

फरवरी 2025 | वर्ष 22 | अंक 01

तरक्की में योगदान की तारीफ











अनेक संस्थाओं ने छत्तीसगढ़ के विद्युत कर्मियों के समर्पण और उपलब्धियों को सराहा



विद्युत विकास के बढ़ते कदम

विवरण	नवम्बर 2000	जनवरी 2025
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	135 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट किमी	14,350 सर्किट किमी
400 केवी उपकेन्द्र की संख्या	1 नग	4 नग
400 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	945 एमवीए	3,150 एमवीए
400 केवी लाइन की लंबाई	277 किमी	1,918 किमी
220 केवी उपकेन्द्र की संख्या	5 नग	27 नग
220 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,350 एमवीए	10,800 एमवीए
220 केवी लाइन की लंबाई	1594.30 किमी	4,219 किमी
132 केवी उपकेंद्र की संख्या	20 नग	104 नग
132 केवी उपकेंद्र की क्षमता	1,257 एमवीए	11,930 एमवीए
132 केवी लाइन की लंबाई	2,974 किमी	8,213 किमी
33/11 केवी उपकेन्द्र की संख्या	248 नग	1,441 नग
33/11 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,033 एमवीए	9,858 एमवीए
33 केवी लाइन की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	25,692 सर्किट किमी
11/04 केवी उपकेन्द्र की संख्या	29,692 नग	2,40,743 नग
11/04 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,951 एमवीए	13,995 एमवीए
11 केवी लाइन की लंबाई	40,556 किमी	1,37,086 किमी
निम्नदाब लाइन की लंबाई	51,314 किमी	2,35,781 किमी
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	64,10,749
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	4,048
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	5,73,076
अस्थायी पंपों की संख्या	–	1,99,815
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,609
अधिकतम मांग	1,334 मेगावॉट	6,372 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

संकल्प

फरवरी 2025 | वर्ष - 22 | अंक-1

संरक्षक



श्री सुबोध कुमार सिंह IAS
माननीय अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
उत्पादन कंपनी



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
पारेषण कंपनी



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
वितरण कंपनी

संपादक



उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क

संपादन सहयोग - गोविन्द पटेल, अनामिका मण्डावी,
छाया : संजय टेम्भे
कार्यालय सहयोग : सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे, शुभम बंछोर

फोन : 0771-2574702, 98936-24511
E-mail : procsphcl@gmail.com, powercomu01@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के लिए, कार्यालय अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) द्वारा प्रकाशित। प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 250 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है- मुद्रक : मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स, रायपुर

क्रम





बिजली कर्मी प्रदेश व देश के विकास में भागीदार	02
ट्रांसमिशन कंपनी के क्षेत्रीय पुरस्कार	07
डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के क्षेत्रीय पुरस्कार	08
क्षेत्रीय मुख्यालयों में गणतंत्र दिवस समारोह	09
विद्युत विकास में तेजी लाने के लिए बढ़ाएं कार्यक्षमता	12
आरडीएसएस की प्रगति, स्मार्ट मीटरिंग अन्य राज्यों से बेहतर	14
वे रोकती हैं जहरीली गैस का रिसाव...	15
अखिल भारतीय व अंतरक्षेत्रीय खेल स्पर्धाओं से जागा जोश	16
दुर्ग जिले में विद्युत अधोसंरचना विस्तार	18
पॉवर सेक्टर राउन्ड अप - 5	19
मेरा संस्थान-मेरी शान- 5	20
अनवरत विद्युत विकास	22
परिचयावली	24
बिजली की कहानी	26
मिस्ड कॉल नए कनेक्शन के लिए राहत का पैगाम	29
महिला मंडल	32

बिजली कर्मी प्रदेश व देश के विकास में भागीदार

पॉवर कंपनी मुख्यालय में अध्यक्ष श्री सुबोध सिंह द्वारा ध्वजारोहण





छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के डंगनिया, रायपुर स्थित मुख्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेश के प्रमुख सचिव ऊर्जा तथा पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर श्री सिंह ने प्रदेश की सर्वांगीण प्रगति में बिजली से आए बदलाव तथा इसमें विद्युत कर्मियों के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने आह्वान किया कि बिजलीकर्मी प्रदेश तथा देश के भावी विकास में भी भागीदार बनें।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा- हमारा महान संविधान, हमारे महान पुरखों के संघर्षों, उनकी प्रतिभा और दूरदर्शिता का प्रतीक है। लगभग दो सौ वर्षों की गुलामी के बाद, आजाद हुए देश को अपना संविधान बनाने में, मात्र दो वर्ष,







ग्यारह माह, अठारह दिन का समय लगा था। जो अपने आप में दुनिया के इतिहास में सबसे विस्तृत, उदार व लोक कल्याणकारी संविधान साबित हुआ। इसलिए यह अवसर हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और संविधान निर्माताओं को याद करने और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करने का भी है।

श्री सिंह ने कहा- यह बहुत ही गौरव का विषय है कि आजादी की लड़ाई की तरह, संविधान के निर्माण में भी छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमारे प्रदेश की महान विभूतियां भी संविधान सभा की सदस्य रही हैं। आज संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के साथ मैं, उन सभी को सादर नमन करता हूं। श्री सिंह का उद्बोधन यहां अविकल रूप से प्रस्तुत है।

▪ बिजली से समान अवसर

उन्होंने कहा- हमारा संविधान भारत के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और समान अवसरों की सौगात देता है। आप सभी बिजली के उत्पादन, पारेषण और वितरण के क्षेत्र में काम करने वाले साथियों का योगदान भी, प्रत्येक नागरिक को बिजली की शक्ति से समान अधिकार और समान अवसर दिलाने के लिए दर्ज हुआ है। मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी का अनुभव हो रहा है कि प्रदेशवासियों को सुख, सुविधा और समृद्धि प्रदान करने में आप सभी बिजली कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा है।

▪ दूरदर्शिता से उत्पादन

श्री सिंह ने कहा- विकास के साथ बिजली की बढ़ती मांग एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। छत्तीसगढ़ में उत्पादन, पारेषण और वितरण तीनों कंपनियों को साथ में मिलकर पर्याप्त, निरंतर और गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति न्यूनतम संभावित दरों पर करने हेतु अपनी-अपनी भूमिका का निर्वाह करना है।

राज्य को बिजली, हमारे बिजलीघरों के अलावा भी विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से उपलब्ध होती है। इसके बावजूद हमारी स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा दूरदर्शितापूर्वक भावी आवश्यकताओं का आकलन करते हुए नए बिजलीघरों की स्थापना हेतु समुचित प्रयास किए



जा रहे हैं।

▪ नए बिजलीघरों की स्थापना

श्री सिंह ने कहा- कोरबा पश्चिम में 1 हजार 320 मेगावॉट क्षमता के सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट के लिए प्रशासकीय स्वीकृति उपरांत निविदा, प्रक्रिया में है। पंप स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना हेतु एनटीपीसी, टिहरी हाइड्रो डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन तथा सतलज जल विद्युत निगम का सहयोग लिया जा रहा है। इसके लिए 5 स्थानों पर 7 हजार 300 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाओं के डी.पी.आर. बनाने का कार्य प्रगति पर है।

प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत बड़े पैमाने पर घरेलू उपभोक्ताओं की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का अभियान भी छेड़ा गया है। मैं चाहूंगा कि 300 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदाय करने वाली इस योजना का लाभ, आप सब तथा प्रदेश की जनता ज्यादा से ज्यादा संख्या में उठाएं।

▪ पारेषण प्रणाली के विकास पर जोर

अध्यक्ष ने कहा- अतिउच्चदाब पर पॉवर ट्रांसमिशन नये युग की बड़ी जरूरत है। इसके माध्यम से ही हम प्रदेश के विभिन्न बिजलीघरों में उत्पादित बिजली का समुचित उपयोग कर सकते हैं। इंटर-स्टेट ग्रिड का लाभ भी ले सकते हैं। इस दिशा में विगत एक वर्ष में अच्छी प्रगति की गई है।

400 के.वी. क्षमता के 4 उपकेंद्र वर्तमान में कार्यरत हैं, वहीं 2 नये उपकेंद्रों, धरदेही तथा पिथौरा के निर्माण हेतु प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। विगत एक वर्ष में 132 के.वी. क्षमता के 3 तथा 220 के.वी. क्षमता के एक उपकेंद्र का कार्य पूर्ण कर संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इस तरह प्रदेश में पारेषण ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता, जो कि राज्य गठन के समय मात्र 3 हजार 552 एम.वी.ए थी वह अब 7 गुना बढ़कर 25 हजार 880 एम.वी.ए हो गई है। पूर्व स्वीकृत कार्ययोजना के अनुसार 400 के.वी, 220 के.वी. तथा 132 के.वी. क्षमता के 33 उपकेंद्रों का निर्माण समय सीमा में पूरा किया जाएगा।

▪ निर्बाध विद्युत आपूर्ति पर फोकस

उन्होंने कहा- पारेषण कंपनी द्वारा 920 मेगावॉट की सोलर परियोजनाओं को कनेक्टिविटी प्रदान की गई है, जो सौर ऊर्जा के बढ़ते उत्पादन और उपभोग का प्रतीक है। हमारी वितरण कंपनी को एक साथ अनेक दायित्व निभाने पड़ते हैं। अंतिम उपभोक्ता को गुणवत्तापूर्ण निरंतर विद्युत आपूर्ति के माध्यम से संतुष्ट रखने की जिम्मेदारी भी निभानी होती है।

विगत एक वर्ष में 66 उपकेन्द्र तथा 14 हजार 834 वितरण ट्रांसफॉर्मर स्थापित किये गये हैं। वहीं 33 के.वी., 11 के.वी. तथा निम्नदाब लाइनों को मिला कर कुल 16 हजार 103 किलोमीटर लाइनों का निर्माण किया गया है।

प्रचलित कार्ययोजना के अनुसार आगामी एक वर्ष में वितरण कंपनी द्वारा 75 नये उपकेन्द्र, 12 हजार वितरण ट्रांसफॉर्मर तथा 14 हजार सर्किट किलोमीटर लाइनों की स्थापना की जायेगी।

श्री सिंह ने कहा- हमारी वितरण कंपनी किसानों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, गरीब परिवारों तथा अन्य सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं को निःशुल्क अथवा रियायती दर पर विद्युत आपूर्ति की जिम्मेदारी निभा रही है। जिससे कमजोर वर्गों के जीवनस्तर तथा आय के अवसरों में शानदार बढ़ोत्तरी हुई है।

बस्तर के सुदूर बीजापुर जिले के चिलकापल्ली को हाल ही में ऊर्जीकृत कर हमने यह संदेश दिया है कि दूरस्थ आदिवासी अंचलों को बिजली की शक्ति देने का सिलसिला चलता रहेगा। पी.एम. जनमन, पी.एम. जुगा तथा नियद नेल्लानार योजना के तहत बिजली की सुविधा से वंचित लोगों के घरों को रोशन किया जा रहा है।

इस अवसर पर तीनों कंपनियों के एमडी सर्वश्री एसके कटियार, आरके शुक्ला, भीमसिंह कंवर तथा मुख्य अभियंता एचआर वीके दीक्षित, मुख्य सुरक्षा अधिकारी विंग कमाण्डर ए. श्रीनिवास राव विशेष रूप से उपस्थित थे। मंच संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।







▪ राज्य स्तरीय पुरस्कार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राज्य स्तर पर 12 विद्युतकर्मियों को प्रदेश के प्रमुख सचिव (ऊर्जा) एवं पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने पुरस्कृत किया। इसके अलावा जनरेशन कंपनी के सर्वश्रेष्ठ विद्युत गृह का पुरस्कार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व को प्रदान किया गया, इसमें तीन लाख रूपए का पुरस्कार राशि के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर तीनों कंपनियों के एमडी सर्वश्री एसके कटियार, आरके शुक्ला, भीमसिंह कंवर तथा मुख्य सुरक्षा अधिकारी विंग कमाण्डर श्री ए. श्रीनिवास राव विशेष रूप से उपस्थित थे। पुरस्कारों की घोषणा मुख्य अभियंता मानव संसाधन श्री वीके दीक्षित ने की।

▪ डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

श्री फूलसिंह पटेल (लाइन सहायक श्रेणी-2, दुधावा वितरण केंद्र) को अपने कार्यक्षेत्र में विद्युत लाइनों के रखरखाव, ब्रेकडाउन को तत्परता से अटेंड करने एवं शतप्रतिशत बकाया राशि की वसूली करने के उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री अमीर उल्लाह खान (सहायक यंत्री, सतर्कता संभाग, रायगढ़) को हाथी प्रभावित सघन वनांचल में असुरक्षित तार बिछाकर लिये गये अवैध कनेक्शनों के कारण होने वाली जंगली हाथियों की विद्युत दुर्घटना को रोकने की दृष्टि से अवैध कनेक्शनों की जांच कर उनके विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही करने का उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया, जिससे असुरक्षित अवैध लाइनों के कारण हाथियों के संभावित दुर्घटनाओं को टालना संभव हो सका।

▪ जनरेशन कंपनी

श्रीमती रंजना फुटाने (कार्यपालन अभियंता) को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह की इकाई क्र. 1 के स्विच यार्ड के नेट जनरेशन एबीटी एनर्जी मीटर की त्रुटिपूर्ण गणना के कारण नेट जनरेशन की गणना कम तथा आग्जिल्यरी पॉवर कंजप्शन की अधिक हो रही गणना को सुधार कर, जनरेशन कंपनी को होने वाली आर्थिक क्षति से बचाने का उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री योगेश्वर साहू (सहायक अभियंता, अटल बिहारी ताप विद्युत गृह, मड़वा) को इकाई क्रं. 2 में लगातार बॉयलर के पेंट हाउस में स्टीम लीकेज की आशंका को समाप्त करने अत्यंत सूझबूझ से एक विशेष उपकरण विकसित करने का उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया जो 400 डिग्री सेंटीग्रेड में भी कार्य कर सकता है। इस उपकरण की सहायता से लिकेज होने वाली स्टीम को अन्य ट्यूब से पृथक कर इकाई को असमय बंद करने की स्थिति से बचाया जा सका, फलस्वरूप यह इकाई 249 दिवस तक अनवरत् चल सकी।

▪ ट्रांसमिशन कंपनी

श्री पंकज सिंह परमार (उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन, रायपुर) को कनिष्ठ यंत्री के 377 पदों पर सीधी भर्ती तथा परीक्षण सहायक श्रेणी- 2 के 284 पदों की विभागीय भर्ती के कार्य पारदर्शिता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ अल्पसमय में निष्पादित करने तथा अतिरिक्त जिम्मेदारी लेते हुए पॉवर कंपनियों की पदोन्नति नीति के अनुरूप पारेषण एवं वितरण संकाय के विभिन्न पदों के विगत 20 वर्षों (2004 से 2023) के पदोन्नति पेनल का पुनरीक्षण करने के वृहद कार्य को अल्पसमय में पूर्ण कराने के उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री विनोद कुमार गोरे (कनिष्ठ यंत्री, 220 केवी उपकेंद्र, सिलतरा) को 220 केवी उपकेंद्र सिलतरा में 9 सितंबर को बड़े विद्युत अवरोध को रोकने के लिए पुरस्कृत किया गया। बारिश एवं बिजली कड़कने के कारण 220 केवी धरदेही लाइन एवं 160 एमवीए ट्रांसफॉर्मर नं.- 2 के ट्रिप होने पर अचानक अन्य 2×160 एमवीए ट्रांसफॉर्मर में ओवरलोडिंग की स्थिति निर्मित होने पर इन्होंने तुरंत लोड डायवर्ट कर बड़े विद्युत व्यवधान को टाला तथा बाद में भीषण बारिश में ही रात्रि में संबंधित पॉवर ट्रांसफॉर्मर एवं अन्य उपकरणों की टेस्टिंग कर सफलतापूर्वक ट्रांसफॉर्मर को चार्ज कर उपकेंद्र से औद्योगिक क्षेत्र के उच्च दाब उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति सामान्य करने का उल्लेखनीय कार्य किया गया।

इसी तरह मुख्यालय स्थित केंद्रीय कार्यालय स्तर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए 6 कर्मियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

▪ डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

सुश्री तृप्ति भालेकर (सहायक अभियंता, ईआईटीसी, रायपुर) को लेखा इकाईयों के सेप सॉफ्टवेयर के पे-रोल मॉड्यूल के अंतर्गत वेतन एवं पेंशन के भुगतान वर्तमान आंशिक मैनुअल कार्य का ऑटोमेशन कर प्रक्रिया को अधिक आसान और त्रुटिरहित बनाने का उल्लेखनीय कार्य करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री देवेंद्र बडोले (सहायक अभियंता, मीटर परीक्षण संभाग एक, रायपुर) ने लाइन लॉस की गणना की विस्तृत जांच के दौरान उपभोक्ताओं के मीटर के साथ लगे सीटीपीटी यूनिट में हो रही त्रुटि की पहचान कर, उसे दूर किया, जिससे पॉवर कंपनी को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हुई। उपभोक्ताओं के मीटरों में नये टाईम ऑफ द डे टैरिफ की प्रोग्रामिंग अल्पसमय में कराने का उल्लेखनीय कार्य किया।

▪ जनरेशन कंपनी

श्री गोपाल गोहिल (प्रबंधक, वित्त, रायपुर) को ग्रेच्युटी एवं पेंशन फण्ड ट्रस्ट रायपुर में सदस्य के रूप में उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। उन्होंने पेंशन फंड ट्रस्ट द्वारा निवेश सीधे भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से किये जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की, जिससे ब्रोकरेज के रूप में होने वाले खर्च की बचत हुई। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट की ब्याज की आय पर टीडीएस के रूप में काटी जाने वाली राशि में भी बचत कराने का उल्लेखनीय कार्य किया गया।

श्री संदीप वर्मा (सहायक अभियंता, संचा. एवं संधा.: उत्पादन, रायपुर) को उत्पादन नियंत्रण केंद्र में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए डीएसएम रेगुलेशन के तहत अतिरिक्त आय अर्जित करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

▪ ट्रांसमिशन कंपनी

श्रीमती नलिनी द्विवेदी (सहायक अभियंता, पीसी एंड आरए, रायपुर) को अप्रैल 2021 से मार्च 2024 तक जारी किए गये लेट पेमेंट सरचार्ज देयकों का नियमानुसार पुनर्गणना कर सितंबर 2024 में पुनरीक्षित बिल सफलतापूर्वक निष्पादित करने में अहम योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। वर्ष 2025 से 2026 तक के लिये कैपिटल इन्वेस्टमेंट प्लान एवं फाइनल टु-अप पिटिशन 2023-24 सफलतापूर्वक बना कर अल्पावधि में राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष पिटिशन फाइल कराने का उल्लेखनीय कार्य किया।

श्री राजेश कुमार चिंदेकर (दफ्तरी, क्षेत्रीय भण्डार, भिलाई) ने कर्मचारियों की कमी के बावजूद 5 अप्रैल 2024 को क्षेत्रीय भण्डार, रायपुर में हुई अग्नि दुर्घटना के बाद से क्षेत्रीय भण्डार, रायपुर के अंतर्गत आने वाले सभी मैदानी कार्यालयों को सामग्री क्षेत्रीय भंडार, भिलाई से प्रदाय करने के कार्य के सुगमतापूर्वक संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा वर्ष 2024-25 में ऑक्शन द्वारा विक्रय किये गये स्क्रैप सामग्री के कार्य का निष्पादन शीघ्रता से कराने के उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया।

समूह पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ विद्युत गृह का पुरस्कार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व को प्रदान किया गया। इस विद्युत गृह ने विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित सभी नार्मेटिव पैरामीटर (प्लांट अवेलेब्लिटी फैक्टर, ऑक्सीलरी कंजप्शन, विशिष्ट तेल खपत आदि) के लक्ष्य को प्राप्त किया है तथा साथ ही इस पॉवर प्लांट ने हीट रेट में कम विचलन एवं विशिष्ट तेल खपत में अपेक्षाकृत सुधार करने का उल्लेखनीय कार्य किया है।

न्यूनतम ट्रांसफॉर्मर फेल्योर संभाग के लिए कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) संभाग, बालोद को 50 हजार रूपए एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहां वित्तीय वर्ष 2022-23 में ट्रांसफॉर्मर फेल्योर रेट 7.05 प्रतिशत था, उसे वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4.82 प्रतिशत तक सीमित रखा, इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में ट्रांसफॉर्मर फेल्योर रेट को 38.01 प्रतिशत कम करने का उल्लेखनीय कार्य किया गया।

न्यूनतम लाइन लॉस संभाग के लिए कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.), कवर्धा को पुरस्कृत किया गया, वहां वर्ष 2022-23 में वितरण हानि 17.59 प्रतिशत थी, उसे वर्ष 2023-24 में कम करके 12.81 प्रतिशत लाया गया, इस प्रकार वितरण हानि हेतु निर्धारित लक्ष्य में अन्य संभागों की तुलना में सर्वाधिक 2.28 प्रतिशत कम करने का उल्लेखनीय कार्य किया।

सर्वोत्तम राजस्व प्रबंधन संभाग के लिए कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.), दुर्ग को पुरस्कृत किया गया, वहां गैर शासकीय निम्नदाब उपभोक्ताओं के विरूद्ध मार्च 2023 में बकाया राशि रु. 3.63 करोड़ थी, उसे मार्च 2024 में कम करके रु. 1.58 करोड़ लाया गया, इस प्रकार बकाया राशि में अन्य संभागों की तुलना में सर्वाधिक 37.88 प्रतिशत कम करने का उल्लेखनीय कार्य किया गया।

सर्वोत्तम उपकेंद्र संभाग के लिए कार्यपालन अभियंता (उपकेंद्र) संभाग, राजनांदगांव को राजनांदगांव के अंतर्गत आने वाले 17 अति उच्चदाब उपकेंद्रों का संचालन, संधारण एवं निर्माण का प्रबंधन कार्य सुचारू रूप से संचालित किया गया, राजनांदगांव एवं मोहला-मानपुर जैसे नक्सली एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों एवं अन्य जिले में अनावश्यक विद्युत व्यवधान को टालने जैसे उल्लेखनीय कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया।

सर्वोत्तम निर्माण संभाग का पुरस्कार कार्यपालन अभियंता अति उच्चदाब (निर्माण) संभाग, भिलाई को नई पारेषण लाइन, सेकण्ड सर्किट पारेषण लाइन, उपकेंद्र, ट्रांसफॉर्मर बे, फीडर बे निर्माण से संबंधित सभी कार्यों को अल्प मानव संसाधन के साथ समय-समय पर पूर्ण करने के लिए दिया गया।





ट्रांसमिशन कंपनी के क्षेत्रीय पुरस्कार

गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आरके शुक्ला ने क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिये 10 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया। डंगनिया मुख्यालय स्थित सेवाभवन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में ट्रांसमिशन कंपनी कर्मियों को एक हजार रूपए नगद, प्रमाण पत्र एवं पदक देकर सम्मानित किया।

सुश्री लिलेश्वरी वैष्णव (कार्यालय सहायक श्रेणी- एक, अति. उच्चदाब- नि. एवं सं., बिलासपुर) को कर्मचारियों के कमी के बावजूद क्रय, स्थापना, रोकड़, आवक-जावक सभी शाखाओं से संबंधित कार्यों का निष्पादन सुगमतापूर्वक करने तथा अल्पसमय में नवनियुक्त कर्मियों को कार्यालयीन कार्यों के संपादन हेतु प्रशिक्षित करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री सुखराम (लाइन सहायक श्रेणी-दो, टी.एल.एम, उपसंभाग, बिलासपुर) को 132 केवी चकरभाटा-कोटा सर्किट में पॉवर लाइन क्रासिंग के कारण कठिनाई भरी कुल 8 गेन्ट्री में बिना विद्युत व्यवधान के ऑप्टिकल फाइबर अर्थ वायर की स्थापना पूर्ण करने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

श्री हर्षदीप वारे (सहायक अभियंता, मीटर रिले परीक्षण संभाग, रायगढ़) को 132 केवी उपकेंद्र पत्थलगांव के कंट्रोल रूम के जर्जर उपकरणों, केबल टर्मिनेशन एवं नये पैनल का टेस्टिंग तथा कमीशनिंग कार्य बिना विद्युत व्यवधान के निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री महेश कुमार चंद्रा (लाइन परिचारक संविदा, 132 केवी उपकेंद्र, कोरबा पूर्व) को 132 केवी उपकेंद्र कोरबा पूर्व में विभिन्न फीडरों के फेल सी.टी. को बदलने, वायरिंग करने एवं 132 केवी रेंकी फीडर के सर्किट ब्रेकर में आई तकनीकी खराबी की जांच कर क्लोजिंग मैकेनिज्म का सुधार कार्य अल्प समय में पूर्ण करने का उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री बसंत कुमार देवांगन (परिचारक श्रेणी-1, लाइन, बेल्टमैन, 220 केवी उपकेंद्र, भाटापारा) को 220 केवी उपकेंद्र भाटापारा, 132 केवी उपकेंद्र सिमगा एवं तुलसी में अतिरिक्त आइसोलेटर, सी.टी. शिफ्टिंग, विभिन्न ट्रांसफॉर्मरों के 33 केवी साइड में ट्रिप ट्रांसफर स्कीम के तहत उपकरण लगाने एवं अति उच्चदाब उपकेंद्रों में स्थापित उपकरणों के संधारण कार्य पूर्ण करने का उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री प्रेमचंद वर्मा (परिचारक श्रेणी-एक, लाइन, कार्या. कार्यपालन अभियंता, कर्मशाला, भिलाई) को 220 केवी रायता-उरला लाइन में निरंतर ट्रिपिंग एवं कंडक्टर डैमेज की समस्या से बचाव हेतु टॉवर की ड्राइंग से बेल्ट की लंबाई एवं उंचाई का मापदंड निकॉलकर तीनों फेस के नार्मल क्रासआर्म के स्थान पर बॉक्स क्रासआर्म का फेब्रिकेशन कार्य कर्मशाला संभाग में उपलब्ध संसाधनों के उपयोग से अल्पसमय में पूर्ण करने का उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

सुश्री नमिता विभा लकरा (कार्यपालन अभियंता, कार्या. मुख्य अभियंता, भार-प्रेषण केंद्र, रायपुर) को ग्रिड के विभिन्न महत्वपूर्ण डाटा जैसे कि नए एलिमेंट की कमीशनिंग, लोड जनरेशन बैलेंस रिपोर्ट, अनियमित लोड शेडिंग, आउटेज को-ओर्डिनेशन, फ्रीक्वेंसी रेस्पांस तथा मांग-उपलब्धता-खपत से संबंधित जानकारी के साथ भार प्रेषण केंद्र से सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी, पश्चिमी क्षेत्र भार प्रेषण केंद्र, राष्ट्रीय लोड डिस्पैच सेंटर तथा ऊर्जा मंत्रालय को समय सीमा में नियमित रूप से डाटा के आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्रीमती भारती पिल्लै (कार्यालय सहायक श्रेणी-2, कार्या. मुख्य अभियंता, मानव संसाधन, रायपुर) को पॉवर कंपनी के पदोन्नति नीति के अनुरूप पारेषण-वितरण एवं सिविल संकाय के विगत 20 वर्षों (2004 से 2023) के पदोन्नति पैनल को पुनरीक्षित करते हुए, अधिकारियों के पारस्परिक वरिष्ठता का निर्धारण करते हुए वर्ष 2024 का पदोन्नति पैनल बनाने हेतु आवश्यक जानकारियां अल्पसमय में उपलब्ध कराने का उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री पंकज देवांगन (डाटा एंट्री ऑपरेटर, कार्या. मुख्य अभियंता, मानव संसाधन, रायपुर) को नियमित आबंटित कार्यों के अतिरिक्त पॉवर कंपनी के पदोन्नति नीति के अनुरूप पारेषण-वितरण संकाय के विगत 20 वर्षों (2004 से 2023) के पदोन्नति पैनल को पुनरीक्षित करते हुए, अधिकारियों के पारस्परिक वरिष्ठता का निर्धारण करते हुए वर्ष 2024 का पदोन्नति पैनल बनाने में उल्लेखनीय कार्य अल्पसमय में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री जितेंद्र कुमार वर्मा (कार्यालय सहायक श्रेणी-2, कार्या. कार्यपालक निदेशक, लाइन, रायपुर) को लेखा प्रशिक्षण बैच क्रमांक आर-13 के अंतर्गत प्रशिक्षण उपरांत आयोजित परीक्षामें प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।



डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के क्षेत्रीय पुरस्कार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी एवं कार्यालयीन दस कर्मियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस के मौके पर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित कार्मिकों में श्रीमती विनीता साहू, सहायक अभियंता (संचारण एवं संधारण) रायपुर, श्री रतिराम गावड़े,अनुभाग अधिकारी (वित्त),रायपुर, श्री प्रशांत कुमार साहू, सहायक अभियंता (ईआईटीसी), रायपुर, श्री आलोक कुमार साहू, कार्यालय सहायक (मानव संसाधन), रायपुर, श्री अश्विनी मरकाम, लाईन परिचारक (नरहरपुर) कांकेर, श्री राकेश कुमार अरोरा,कार्यपालन अभियंता, सरायपाली , श्री मुरारी श्रीहरि, कार्यपालन अभियंता, अटलनगर, श्री संतोष कुमार साहू, लाईन परिचारक, खरसिया, श्री कमलेश सिंह नेताम,सहायक अभियंता, चांपा एवं श्री कर्णराज गहलोत , लाइन सहायक,रायगढ़ शामिल हैं। इस मौके पर लेखा प्रशिक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कार्यालय सहायक (वित्त) श्रीमती रूचि देवांगन, रायपुर को भी प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने सम्मानित किया। सम्मान समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री व्ही के साय, श्री आर ए पाठक, श्री जे एस नेताम, श्री ए के धर, श्री आलोक सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री एस के गजपाल, मुख्यअभियंता श्री एम जामुलकर, श्री रामायण नामदेव, श्री एम डी बड़गैया समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस खेल सप्ताह के पुरस्कार

गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के मुख्यालय में प्रतिवर्ष खेल सप्ताह का आयोजन किया जाता है। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वधान में आयोजित इस कार्यक्रम में ट्रांशमिशन , डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन कंपनी के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी इस सप्ताहिक खेल गतिविधियों में भाग लेते है। खेल वंदना के साथ गणतंत्र दिवस पर्व की शुरूआत की गई। सप्ताहिक खेल के परिणाम, **विजेता एवं उपविजेता के नाम तालिका में इस प्रकार है- कैरम प्रतियोगिता - महिला -एकल** विजेता - संजीता मारकण्डेय उपविजेता - गौरवा शर्मा, **कैरम प्रतियोगिता - महिला -युगल** विजेता - श्वेता श्रीवास्तव, प्रीति ठाकुर उपविजेता - पल्लवी उरांव, मीनाक्षी साहू, **कैरम प्रतियोगिता - पुरूष -एकल** विजेता - गोपाल गोहिल उपविजेता - मनोज बजाज, **कैरम प्रतियोगिता - पुरूष -युगल** विजेता - राजीव साहू, मनोज बजाज उपविजेता - सुरेश साहू, सरस सलिल ईक्का, **टेबल टेनिस - महिला -एकल** विजेता - नमिता जैन उपविजेता - आकांक्षा वर्मा, **टेबल टेनिस - महिला -युगल** विजेता - नमिता जैन, आकांक्षा वर्मा उपविजेता - स्नेहलता ईक्का, अमिता बारा, **टेबल टेनिस - पुरूष -एकल** विजेता - संयम सुमीत बैग उपविजेता - सचित उत्तरवर, **टेबल टेनिस - महिला -युगल** विजेता - संयम सुमीत बैग, महेन्द्र कुर्रे उपविजेता - एस.के.शर्मा, संदीप जिंदल, **शतरंज प्रतियोगिता - महिला** विजेता - स्वाति तिवारी उपविजेता - भूमिका साहू, **शतरंज प्रतियोगिता - पुरूष** विजेता - राजीव झा, अमेय कटकवार, **बेडमिंटन प्रतियोगिता - महिला एकल** विजेता - कल्पना पन्ना उपविजेता - पी.उर्वशी, **बेडमिंटल प्रतियोगिता - महिला युगल** विजेता - कल्पना पन्ना, अमिता बारा उपविजेता - गायत्री साहू, कुमारी वैष्णव, **बेडमिंटन प्रतियोगिता - पुरूष एकल** विजेता - अनुराग शर्मा उपविजेता - शिवेश मिश्रा, **बेडमिंटल प्रतियोगिता पुरूष युगल** विजेता - बसंत पटेल, अनुराग शर्मा उपविजेता - प्रदीप साहू, गौरव डोंगरे, **व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता** विजेता- जनरेशन कंपनी सर्वश्री आशीष हटवार, हितेन्द्र मारकण्डेय, राजेश रांधे, भूपेन्द्र कनौजिया, बादल वर्मा, डायमण्ड सिंह, समीर निर्मल, राजेश ओझा, आशीष चंदेल, सुशील यदु, **उप-विजेता- ट्रांसमिशन कंपनी** सर्वश्री के एस मनोथिया, शहनवाज सुल्तान, अनुराग शर्मा, विधाता पटेल, बिरजू घोष, मनोज साहू, विश्वास वैष्णव, आशीष देवांगन, सुशील मिश्रा, सुनील धनकर, **ब्रिज डुप्लीकेट विजेता-** विनोद अग्रवाल, डी. एल. साहू, पंकज चौधरी, अनीता भोई, **उपविजेता-** प्रशांत उरांव, अमित देवांगन, शिवेश मिश्रा, हितेश महानंद

क्षेत्रीय मुख्यालयों में गणतंत्र दिवस समारोह



रायपुर क्षेत्र गुढ़ियारी रायपुर में 'गणतंत्र दिवस' हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता (रा.श.क्षे.) श्री एम.जामुलकर ने ध्वजारोहण कर अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया।

समारोह में रायपुर शहर क्षेत्र से उत्कृष्ट पुरस्कार हेतु चयनित कर्मियों कार्या. सहायक श्रेणी-दो श्रीमती कीर्ति शुक्ला, कार्या.सहायक श्रेणी-एक परसराम कृष्णानी, कार्यपालन अभियता श्री ताराचंद साहू, कार्या. सहायक श्रेणी-दो राकेश कुमार वर्मा, परि. श्रेणी-दो(ला.) प्रदीप कुमार यादव, परीक्षण सहायक श्रेणी-एक योगेश्वर वर्मा एवं रायपुर ग्रामीण क्षेत्र से सर्वश्री सहायक अभियंता नंदकिशोर चौधरी, कार्या. सहायक श्रेणी-एक प्रहलाद कुमार साहू, लाईन परिचारक (संविदा) जागेन्द्र कुमार नेताम, परि. श्रेणी-एक (ला.) श्री मनोज कुमार देवांगन, परीक्षण सहायक श्रेणी-एक मनोज कुमार धृतलहरे, परि. श्रेणी-एक(ला.) खेमलाल साहू को पदक और प्रशस्ति-पत्र एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। लेखा प्रशिक्षण में श्री लक्ष्मीकांत साहू-का.स.श्रे.-दो एवं श्री अमन दुबे-परिचारक लाईन को तकनीकी प्रशिक्षण में प्रथम स्थान हेतु सम्मानित किया गया।

दुर्ग में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। समारोह में श्री खंडेलवाल द्वारा पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष महोदय के संदेश का वाचन करते हुए विभागीय कार्यों की प्रगति के विषय में अवगत कराया गया। इस अवसर पर दुर्ग क्षेत्र के छः कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।



कार्यक्रम में मुख्य अभियंता द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले परि. श्रेणी-एक (ला.) श्री जितेन्द्र कुमार यादव, कार्या. सहा. श्रेणी-एक श्री पवन कुमार ठाकुर, परि. श्रेणी-दो (ला.) श्री विनोद कुमार यादव, सहायक अभियंता श्री तेजिन्दर सिंह भाटिया, कनिष्ठ अभियंता श्री हेमन्त कुमार करभाल एवं कार्या. सहा. श्रेणी-एक श्रीमती लिसी बी. जॉर्ज को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, 01 हजार रुपए एवं रजत मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। तकनीकी प्रशिक्षण में श्री गोविंद कुमार साहू को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर रजत पदक एवं प्रमाण पत्र दिया गया।

जिला प्रशासन दुर्ग एवं जिला प्रशासन बालोद द्वारा श्री नंद कुमार देवांगन, श्री तीरथ राम साहू, श्री कमल किशोर देशमुख एवं श्री रमाकांत वर्मा, श्री हितेंद्र कुमार यादव को जिलास्तर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री हर्ष कुमार मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री एस. मनोज, श्री सलिल कुमार खरे एवं श्री जे. जगन्नाथ प्रसाद सहित सभी कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता उपस्थित थे।

राजनांदगाव में गणतंत्र दिवस समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट, अधीक्षण अभियंता श्री एस. कंवर, श्री के.सी. खोटे, कार्यापालन अभियंता श्री आर. के. गोस्वामी, सुश्री गीता ठाकुर, सहायक अभियंता श्री जी. एन. देवांगन, श्री हेमराज साहु, श्रीमती उषा साहू, श्रीमती शेषकुमारी साहू, श्री एस. पी. ठाकुर,



पीआरओ डी. एस. मंडावी, श्री एस.के. बक्शी, लेखाधिकारी श्री भावेश वाल्दे, प्रशासनिक अधिकारी श्री नीरज देवांगन, श्री बी. एस. टेकाम, अनुभाग अधिकारी श्री पी. आर. साहू, श्री अमरलाल चौहान सहित प्रशासनिक भवन स्थित समस्त कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

बिलासपुर क्षेत्र में गणतंत्र दिवस समारोह में



मुख्य अभियंता श्री ए. के. अम्बस्ट ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर क्षेत्रीय स्तर पर 6 कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किया गया। सर्वश्री बंशी लाल यादव (दफ्तरी), रमेश कुमार श्रीवास (कार्या. सहा. श्रेणी-एक), सौरभ मिश्रा (कार्या. सहा. श्रेणी-दो), शिव शंकर साहू (लाईन सहायक श्रेणी-दो), यशवंत कुमार राठौर (तकनीशियन वितरण), श्रीमती सरिता मसीह (स्टॉफ नर्स) को पदक, प्रशस्ति पत्र एवं पारितोशिक राशि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अति. मुख्य अभियंता श्री डी. के. भोजक, अधीक्षण अभियंता श्री जी. पी.सोनवानी, श्री सुरेश जांगडे एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

जगदलपुर क्षेत्र में 76 वें गणतंत्र दिवस पर कार्यपालक निदेशक श्री एस. के. ठाकुर द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिये क्षेत्रीय स्तर पर पुरस्कार हेतु चयनित कर्मचारी श्री लालचंद साहू, लाईन सहायक श्रेणी-दो, श्री सहदेव बघेल, परिचारक श्रेणी-दो (लाईन), श्री उत्तम सिंह नेताम, परिचारक श्रेणी-दो (लाईन) एवं श्री शैलेन्द्र वट्टी, परिचारक श्रेणी-दो (लाईन), को प्रशस्ति पत्र, पदक एवं पारितोशिक राशि प्रदान कर श्री ठाकुर द्वारा सम्मानित किया गया।

ध्वजारोहण समारोह कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री एस. के. ठाकुर, अधीक्षण अभियंता श्री एनके पोयाम एवं श्री तरूण कुमार दिवाकर, कार्यपालन अभियंता श्री सलीम खान, श्री विष्णु मरकाम, श्री एम. के. श्रीवास्तव, श्री एस. के. खेस्स, श्री एन. के. मांझी, श्री डी. एस. कतलाम, श्री हेमंत टोप्पो, श्री थानसिंह उईके, श्री अमर





भगत, सहायक अभियंता श्री फणेश्वर यादव एवं श्रीमती पुष्पा वर्मा उपस्थित थे। संचालन श्री गणेश्वर राम ध्रुव, सहायक विधि अधिकारी के द्वारा किया गया।

रायगढ़ क्षेत्र में मुख्य अभियंता श्री पीव्ही सजीव ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्षेत्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। डाटा एन्ट्री ऑपरेटर श्री नीरज कुमार साहू,डाटा एन्ट्री ऑपरेटर श्री आशीष त्रिपाठी, तकनीशियन श्री श्यामचरण पटेल, परीक्षण सहायक श्रेणी श्री राम कुमार कुर्रे, ला परि श्रेणी एक श्री संजीव कुमार कुर्रे, ला परि श्रेणी एक श्री गेंदराम साहू को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

अम्बिकापुर मुख्य अभियंता श्री टी के मेश्राम



ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अम्बिकापुर क्षेत्रांतर्गत 6 कर्मियों को उनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य का प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। कनिष्ठ अभियंता श्रीमती प्रणिता पैंकरा, लाईन सहायक श्रेणी - दो श्री अभिषेक कुमार बोहिदार, ला परि संविदा श्री मुकेश कुमार, ला. सहा श्रेणी - दो श्री सुभाशिष कुमार धुंआ, परि. श्रेणी - तीन श्री रविकांत राजवाडे को पदक , प्रशस्ति पत्र एवं पारितोशिक राशि से सम्मानित किया गया।

बिलासपुर मुख्य अभियंता (उप-केन्द्र) बिलासपुर के प्रांगण में मुख्य अभियंता श्रीमती कल्पना घाटे द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया, जिसमें श्री एस. के. दुबे अति. मुख्य



अभियंता, श्री गौतम केनार अधीक्षण अभियंता, श्री सी. एम. बाजपेयी अधीक्षण अभियंता, श्रीमती शिखा सिंह कार्यपालन अभियंता एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत



गृह में गणतंत्र दिवस पर मुख्य अभियंता संजीव कंसल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर अति. मुख्य अभियंताएं सर्वश्री राजा बाबू कोसरे, राजेश्वरी रावत, एल. एन. सूर्यवंशी, श्रीमती मालती जोशी, श्रीमतीअनिता टण्डन, एवं प्रेरणा महिला मण्डल के पदाधिकारी के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों का सम्मान प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह के साथ किया गया।

स्थानीय स्तर पर 38 अधिकारियों एवं कर्मचारियों, लाईफ टाईम हेतु 4 कर्मचारियों एवं 2 फुटबॉल खिलाड़ी कर्मचारियों, तथा संरक्षा जागरूकता अवार्ड से 2 कर्मचारियों के साथ 52

पीएम के आमंत्रण पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के हितग्राहियों ने देखी गणतंत्र दिवस परेड

प्रतिनिधि मंडल को उत्प्रेरक बनने की बधाई - भीमसिंह कंवर



प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को अपनाने वाले चयनित हितग्राहियों को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विशेष आमंत्रण पर गणतंत्र दिवस परेड के दर्शक के रूप में दिल्ली आमंत्रित किया गया। इन सभी ने परेड में शामिल होकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर स्वयं हितग्राही को सौर ऊर्जा उत्पादक बनाने वाली यह योजना छत्तीसगढ़ में भी संचालित है। इस योजना के चुने हुये विभिन्न प्रदेशों के हितग्राहियों को प्रधानमंत्री के विशेष मेहमान के रूप में दिल्ली बुलाया गया था। छत्तीसगढ़ राज्य से श्री हरिशंकर अग्रवाल , श्री रमेश मल्ल,श्रीमती शिवांगी राठौर, श्री निर्मलेंदु शाह को परेड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। बतौर नोडल ऑफिसर अभियंता श्री एन . बिम्बिसार ने छत्तीसगढ़ के दल का नेतृत्व किया तथा परेड में सम्मिलित हुए। पूर्व में केंद्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री से भी इस प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात कराई गई। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने इस प्रतिनिधिमंडल को बधाई देते हुये कहा कि ये योजना के राजदूत और उत्प्रेरक बन गये हैं ।



ठेका कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। विभागीय तौर पर संयंत्र के 18 समूहों को ग्रुप अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। संचालन श्री पी.एल. साहू, नीलम शर्मा एवं श्री हेमलता गुरूपंच ने किया ।

कोरबा पश्चिम हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में गणतंत्र दिवस पर मुख्य अभियंता प्रवीण श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री भुवनेश्वर पाटले, श्री एमके. गुप्ता, श्री राजेश कुमार पाण्डेय, श्री पीके स्वेन, श्री पीके.मलघानी, श्री केएनबी.राव एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री एके.कुरनाल और संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष रूबी श्रीवास्तव उपस्थित थे।

उन्होंने विद्युत गृह स्तर पर सम्मानित 62 अधिकारी, 69 कर्मचारी एवं 45 ठेकाश्रमिकों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

एबीवीटीपीएस मड़वा अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में गणतंत्र दिवस पर मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया ने बलिदानी वीरों के शहादत को नमन करते हुए राष्ट्र ध्वज फहराया।

इस अवसर पर उन्होंने विद्युत गृह स्तर पर सम्मानित होने वाले 59 अधिकारी-कर्मचारी एवं 15 ठेकाश्रमिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर श्री एसडी.द्विवेदी, श्री आरके. साव, श्री एन.लकरा, श्री एके.शाह, श्री एस.जार्ज और आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष शशि





विद्युत विकास में तेजी लाने के लिए बढ़ाएं कार्यक्षमता

नवनियुक्त पॉवर कंपनीज अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने ली समीक्षा बैठक

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद श्री सुबोध कुमार सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली और विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण कंपनी की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पॉवर कंपनी का दायित्व है कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती बिजली की निरन्तर आपूर्ति हो। इसके लिए फोकस होकर कार्य करें। बिजली आपूर्ति से राज्य के विकास को और गति देने पॉवर कंपनियां अपनी कार्यक्षमता को बढ़ाएं। उन्होंने अधिकारियों को अगली बैठक में बिजली के लाइन लॉस में कमी लाने और सस्ती बिजली के साथ ही राजस्व बकाया वसूली के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिये।

प्रदेश के प्रमुख सचिव, ऊर्जा तथा पॉवर कंपनी के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार माननीय मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सिंह को सौंपा गया है। श्री सिंह ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज (उत्पादन, पारेषण एवं वितरण) के अध्यक्ष का कार्यभार 15 जनवरी को ग्रहण किया। उन्होंने पॉवर कंपनी के मुख्यालय सेवाभवन में तीनों कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली और योजनावार समीक्षा की।

बैठक में पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशकगण सर्वश्री एसके कटियार, राजेश कुमार शुक्ला एवं भीम सिंह कंवर उपस्थित थे। उन्होंने पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रदेश में विद्युत उत्पादन, पारेषण और आपूर्ति की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही नए विद्युत संयंत्रों की स्थापना की प्रगति की जानकारी दी गई। प्रदेश में सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन की योजना पीएम कुसुम और पीएम सूर्यघर के बारे में भी चर्चा की गई।

इस पर अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि सभी कंपनियों का फोकस उपभोक्ताओं को निर्बाध और सस्ती बिजली उपलब्ध कराने में होना चाहिए। कोई भी योजना बनाते समय ध्यान रखें कि उससे बिजली की लागत में कितनी कमी लायी जा सकती है। आमतौर पर परियोजनाओं के समय पर पूरा नहीं होने से उसकी लागत अनावश्यक रूप से बढ़ती है, यदि उसे समय से पूर्व पूरा कर लिया जाए तो हमें केपिटल पर ब्याज कम देना पड़ता है और उससे हमारी आय भी बढ़ती है। श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा से संबंधित योजनाओं को और सरल बनाया जाए ताकि उपभोक्ता उसे आसानी से अपने घरों में स्थापित कर सकें।

उन्होंने लाइन लॉस की समीक्षा में कहा कि इसे और कम करने लिए विशेष प्रयास किये जाएं, ताकि इसका भार जनता पर न पड़े। लाइन लॉस कम होने से लागत में कमी आएगी। श्री सिंह ने कृषि पंपों के लिए पीएम कुसुम योजना के तहत 2-2 मेगावाट के संयंत्र अलग-अलग फीडर में लगाने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सौर ऊर्जा से संबंधित योजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू करने की बात कही और कहा कि दूसरे राज्यों में इस दिशा में विशेष प्रयास किये गए हों तो उनका अध्ययन करें और उनके अच्छे विकल्पों को प्रदेश में लागू करें। श्री सिंह ने बकाया राशि की वसूली के लिए अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। बैठक में कार्यपालक निदेशक सर्वश्री वीके साय, केएस मनोठिया, संजय पटेल, जेएस नेताम, आर ए पाठक, आलोक सिंह, एमएस चौहान, संदीप मोदी, संदीप वर्मा, एस के ठाकुर, आर सी अग्रवाल, श्रीमती ज्योति नन्नौरे, एम एस कंवर, सी एल नेताम, एम आर बागड़े, जी आनंद राव, मुख्य अभियंता सर्वश्री एम जामुलकर, वी के दीक्षित, एस के गजपाल, के बी पात्रे, श्रीमती शारदा सोनवानी, पी वी सजीव, अतिरिक्त महाप्रबंधक(जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रेगुलेटरी एंड पॉलिसी मेकर्स रिट्रीट में छत्तीसगढ़ को सर्वाधिक पुरस्कार

इंडिपेंडेंट पॉवर प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया द्वारा 8 से 11 जनवरी को आयोजित 25वें रेगुलेटरी एंड पॉलिसी मेकर्स रिट्रीट में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ को सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त हुए। पारेषण कंपनी को सर्वश्रेष्ठ भार प्रेषण केन्द्र के लिए पुरस्कृत किया गया वहीं उत्पादन कंपनी को बिजली घरों के सर्वश्रेष्ठ संचालन हेतु अलग-अगल श्रेणीयों में पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा प्रमुख सचिव ऊर्जा, श्री सुबोध कुमार सिंह ने इन उपलब्धियों के लिए राज्य बिजली उत्पादन कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि सुशासन की अवधारणा को जमीनी हकीकत बनाने में कंपनी कर्मियों का योगदान सराहनीय है। यह सिलसिला नई उपलब्धियों के साथ लगातार जारी रहना चाहिए। श्री सुबोध सिंह के हाथों से



जनरेशन कंपनी के एमडी श्री एसके कटियार तथा ट्रांसमिशन कंमनी के एमडी श्री राजेश कुमार शुक्ला ने पुरस्कार ग्रहण किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र कोरबा को 2012 के पूर्व स्थापित संयंत्रों की श्रेणी में देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित

कर्नाटक राज्य के बेलगाम शहर में आयोजित इस कार्यक्रम में जिसमें देश के पॉवर सेक्टर में कार्यरत कई केंद्रीय एवं राज्य उपक्रमों के साथ ही विभिन्न निजी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। रिट्रीट में 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य के संदर्भ में वैश्विक राजनीतिक समीकरणों, पानी, अनाज और ऊर्जा के परस्पर संबंध, आपदा प्रबंधन, पॉवर सेक्टर एवं साइबर सिक्युरिटी, रिन्यूएबल एनर्जी की संभावनाएं एवं चुनौतियां, 2047 तक विद्युत ऊर्जा के विकास की योजना आदि महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारियां दी गई।

रिट्रीट में 2023-24 के प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न संवर्गों में 'पॉवर अवार्ड्स 2025' दिए गए। पारंपरिक स्त्रोतों से पॉवर जनरेशन में दो संवर्ग थे - 2012 के पूर्व स्थापित संयंत्र एवं 2012 के बाद स्थापित संयंत्र। छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन कंपनी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र कोरबा को 2012 के पूर्व स्थापित संयंत्रों की श्रेणी में देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। वहीं 2012 के बाद स्थापित संयंत्रों के वर्ग में हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम स्थित 500 मेगावॉट संयंत्र को फर्स्ट रनर-अप एवं अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा को सेकंड रनर-अप के रूप में सम्मानित किया गया। कर्नाटक में पुरस्कार वितरण केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री घनश्याम प्रसाद जी द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ का भार प्रेषण केन्द्र देश में सर्वोत्तम

भारत के राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को मिलाकर कुल 35 राज्य भार प्रेषण केन्द्रों में से छत्तीसगढ़ के राज्य भार प्रेषण केन्द्र को आउटस्टेण्डिंग एचीवमेन्ट एवार्ड एवं द्वितीय इजीएस्ट एक्सेस टू ओपन एक्सेस संवर्ग में फर्स्ट रनर-अप का पुरस्कार प्राप्त हुआ है ।

इस पुरस्कार हेतु निर्धारित प्रपत्र में पिछले 5 वर्षों के ओपन एक्सेस आवेदनों की स्वीकृति से संबंधित डाटा जैसे कि कुल प्राप्त, स्वीकृत, निरस्त, लंबित एवं प्रकिया समय की जानकारी मांगी गई थी। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य बिन्दुओं जैसे एसएलडीसी प्रशासन एवं स्वशासन के वित्तीय लेखा-जोखा, 5 वर्षों के केपेक्स प्लान, स्काडा संचार माध्यम आदि की जानकारी भी उपरोक्त प्रपत्र में चाही गई थी ।

केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग के अधिसूचना जारी होने के तुरंत बाद, पिछले 3 वर्षों से छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र द्वारा नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री पोर्टल के माध्यम से इन्टर स्टेट ओपन एक्सेस प्रोसीजर अपनाई गई है। जिसके तहत अन्तराज्यीय ओपन एक्सेस पंजीकृत आवेदनों की स्वीकृति प्रक्रिया विभिन्न स्तरों जैसे एसएलडीसी, आरएलडीसी, एनएलडीसी में स्थिति पारदर्शिता पूर्वक प्रदर्शित की जाती है।

छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र को यह उपलब्धि श्री आर०के० शुक्ला, प्रबंध निदेशक पारेषण कंपनी के कुशल मार्गदर्शन के फलस्वरूप प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य पारेषण कंपनी की ओर से श्री के० एस० मनोठिया कार्यपालक निदेशक एवं श्री अभिषेक जैन, अधीक्षण अभियंता राज्य भार प्रेषण केन्द्र द्वारा कर्नाटक राज्य के बेलगाम शहर में आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में यह पुरस्कार ग्रहण किया गया।





आरडीएसएस की प्रगति, आने लगी लाइन लॉस में कमी, स्मार्ट मीटरिंग अन्य राज्यों से बेहतर

फीडरों में स्मार्ट मीटर लगाने से आए परिणामों के अंकेक्षण को सकारात्मक माना गया क्योंकि इससे राजिम फीडर में लाइन लॉस 66 से घटकर 15 प्रतिशत, रायपुर सिटी साउथ में 35 से घटकर 3 प्रतिशत, अंबिकापुर सिटी में 32 से घटकर 9.16 प्रतिशत, मनेंद्रगढ़ में 21.88 से घटकर 6 प्रतिशत दर्ज हुआ है।

- **आर.ई.सी. के सीएमडी श्री विवेक देवांगन द्वारा की गई समीक्षा**

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी आरडीएसएस (रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम) की समीक्षा 12 फरवरी, को ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आर.ई.सी.) के सीएमडी श्री विवेक कुमार देवांगन ने की। उन्होंने छत्तीसगढ़ में इस योजना के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति को उत्साहजनक माना। साथ ही दूसरे राज्यों के अनुभवों से सबक लेते हुए आगामी कार्यवाही में कतिपय सुधारों को अपनाने के सुझाव भी दिए। इस अवसर पर प्रदेश के प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री सुबोध कुमार सिंह, ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव श्री सुनील कुमार जैन, प्रबंध निदेशक डिस्कॉम श्री भीमसिंह कंवर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आरडीएसएस की समीक्षा में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन समग्रता में श्रेष्ठ माना गया। आर.ई.सी. की ओर से कार्यपालक निदेशक श्री राहुल द्विवेदी, श्री टी. चंद्रशेखर सखामुरी, श्री प्रदीप फेलोस उपस्थित थे। एमडी श्री भीमसिंह कंवर ने बिंदुवार जानकारियां उपलब्ध कराई। श्री सुबोध सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष परिस्थितियों में आर.डी.एस.एस. के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया। लाइन लॉस कम करने, उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट मीटर की स्थापना, नवीनीकरण कार्य के साथ ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति तथा संबंधित विषयों की चर्चा की गई। लाइन लॉस रिडक्शन में छत्तीसगढ़ की 41.35 प्रतिशत उपलब्धि को देश में चौथे नम्बर पर माना गया जो अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। स्मार्ट मीटर लगाने के मामले में छत्तीसगढ़ 20 प्रतिशत उपलब्धि के साथ देश का तीसरा राज्य है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में आरडीएसएस का कार्य 2023 से शुरू हुआ है, जबकि दूसरे राज्यों में यह कार्य 2021 में शुरू हुआ था।

आर.ई.सी. के सीएमडी श्री विवेक कुमार देवांगन ने कहा कि अन्य राज्यों में आई समस्याओं का अध्ययन कर योजना के क्रियान्वयन में सुधार किया जा सकता है। स्मार्ट मीटरिंग और नेट मीटरिंग के बारे में व्यापक जनशिक्षा और जन-जागरूकता आवश्यक है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उपभोक्ताओं को दिलाने वाले सुधारों का स्वागत किया जाएगा। क्रेडा के विशेष सचिव श्री राजेश राणा, ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव श्री सुनील कुमार जैन (आई.ए.एस.) वरिष्ठ अधिकारी श्री आर.ए. पाठक, श्री वी.के. साय, श्री राजेंद्र प्रसाद, श्री ए.एम. परियल, श्री एन. बिंबिसार, श्री जी.के. गंगवानी, श्री मनोज कोसले, श्री आशुतोष कुमार जायसवाल, श्री नरेश बोहरा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।



एक ब्रेनडेड शरीर से आठ लोगों को जिंदगी...

पॉवर कंपनी मुख्यालय में देहदान पर सेमीनार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय, रायपुर में 'देहदान महादान' विषय पर सेमीनार का आयोजन 12 फरवरी को किया गया। वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने कहा कि जिंदगी के बाद हम अपने शरीर को चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के लिये दान कर सकते हैं, इससे स्वयं का महाकल्याण होता है। इसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। डॉ. मनीषा बी सिन्हा ने कहा कि प्राकृतिक मृत्यु के छह घंटे के भीतर शरीर अस्पताल पहुंच जाना चाहिये, ताकि उस शरीर के अंगों का उपयोग किसी दूसरी जिंदगी को बचाने के लिये किया जा सके। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनय राठौर ने कहा कि एक ब्रेनडेड शरीर से आठ लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। छत्तीसगढ़ में अब अंगदान की सुविधाएं विकसित हो चुकी हैं। हाल ही में कोरबा के साहू परिवार ने अपने बच्चे का शरीर ब्रेनडेड के बाद दान दिया, जिसमें हृदय, फेफड़ा, किडनी, लीवर, आंख और अन्य अंग का उपयोग दूसरे जीवन बचाने में किया गया। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विजया साहू ने कहा कि नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। इस अवसर पर महाप्रबंधक वित्त श्री वाईबी जैन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल, डीजीएम श्री पंकज सिंह, परम जीवन फाउंडेशन की श्रीमती अजंता चौधरी, श्री महेंद्र तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थे। संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविन्द पटेल ने किया।





वे रोकती हैं जहरीली गैस का रिसाव...

विद्युत संयंत्र में क्लोरीन प्लांट में जोखिमों के बीच अपने सहयोगियों के साथ मुस्तैद

विद्युत संयंत्र में कई महत्वपूर्ण और जोखिम भरे क्षेत्र होते है जिसमें से एक क्लोरीन प्लांट भी है। यह रसायन विभाग के अंतर्गत संचालित किया जाता है। इस क्षेत्र में जरा सी चूक मानव जीवन के लिए खतरनाक हो सकती है। इस जोखिम के बीच क्लोरीनेटर मशीन की निरंतर निगरानी कर अपने दायित्वों को बखूबी निभा रहीं हैं पाली रसायनज्ञ श्रीमती अर्चना पांडेय चौबे। यह वह नाम है जो विद्युत संयंत्र में अपनी कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाना जाता है। श्रीमती पांडेय अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा में अप्रैल 2015 से सेवाएं दे रहीं हैं। वे वर्ष 2011 में पॉली रसायनज्ञ के पद पर विद्युत कंपनी में भर्ती हुई थी।

श्रीमती पांडेय बताती हैं कि डीएम प्लांट में सेवा देने के बाद वह वर्ष 2017 से क्लोरीन प्लांट में नियुक्त हैं। वे बताती हैं कि क्लोरीन प्लांट में बड़े-बड़े सिलेंडर में क्लोरीन गैस का भंडारण रहता है। यहां क्लोरीनेटर सिस्टम के जरिए क्लोरीन को पानी में घोला जाता है। यह पानी विद्युत संयंत्र में उपयोग किया जाता है। क्लोरीनेशन से विद्युत संयंत्र का पानी लंबे समय तक साफ रहता है। रसायन विभाग पानी को विभिन्न विधियों से प्रसंस्कृत कर खनिज रहित पानी तैयार करता है जिसे विद्युत संयंत्र में उपयोग किया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि क्लोरीनेटर 3.5 किलोग्राम के दाब पर कार्य करता है। श्रीमती पांडेय बताती हैं कि वह अपने सहकर्मियों के साथ, आने वाली दुर्घटनाओं को टालती हैं। इसके लिए उनकी टीम हर 15 दिन में संरक्षा प्रशिक्षण करती है। संरक्षा नियमों का अनुपालन करते हुए टीम पूरी सुरक्षा के क्लोरीन प्लांट का संचालन सुनिश्चित करती है। क्लोरीन गैस का टीएलवी 0.5 पीपीएम है। इससे ज्यादा होने पर यह दमघोटक हो जाती है। रिसाव होने पर यह गैस सतह से 5 मीटर की ऊंचाई तक फैलती है। इसलिए यह जहरीली गैस मानव जीवन के लिए बहुत ही खतरनाक साबित होती है।

सतर्कता से ऐसे टली बड़ी दुर्घटना

श्रीमती पांडेय बताती हैं कि 22 सितंबर 2020 को बड़ी दुर्घटना टल गई थी जब क्लोरीनेशन प्लांट में स्क्रिड क्रमांक 05 को सर्विस में लेने के समय क्लोरीनेटर क्रमांक 05 के आउटलेट का डायफ्रॉम चिपक गया था। इससे क्लोरीन गैस का रिसाव होने लगा था। इस बीच उन्होंने त्वरित रूप से सुरक्षा उपकरणों के साथ क्लोरीन गैस सिलेंडर को बंद करने का जोखिम उठाया था। उन्होंने तुरंत ही क्लोरीनेशन प्लांट में मौजूद कर्मचारियों को बाहर निकॉला और गैस के रिसाव पर नियंत्रण पाया था। इस त्वरित कदम से उन्होंने विद्युत संयंत्र को होने वाली क्षति से बचाया था। इस कार्य के लिए उन्हें विद्युत संयंत्र प्रबंधन द्वारा सम्मानित भी किया गया।

कार्य शैली की तारीफ़

वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री अभय मिश्रा, श्रीमती पांडेय के नियंत्रक अधिकारी हैं। वे बताते हैं कि श्रीमती अर्चना पांडेय बहुत मेहनती व जिम्मेदार अधिकारी हैं। वे सभी शिफ्ट डयूटी में काम कर चुकी हैं। अपने कार्य में सजग और अभ्यस्त हैं।



आदर्श गृहिणी

श्रीमती अर्चना अपने कार्यदायित्व के साथ ही अपने परिवार पर पूरा ध्यान देती हैं। उनके पति श्री मोहन प्रसाद चौबे भी विद्युत कंपनी में कार्यपालन अभियंता (सिविल) के पद पर हैं। दोनों के कामकाजी होने पर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है। इसके बाद भी यह दंपत्ति मिलकर अपने दोनों बच्चों विशेष (10वर्ष) एवं अनायशा (7वर्ष) की शिक्षा दीक्षा एवं लालन-पालन में कोई कसर बाकी नहीं रख रही हैं। इनका पूरा दिन नियमित समय सारणी और सुशासन के साथ बीतता है। बच्चों को स्कूल भेजने के बाद दंपत्ति अपने अपने कार्यालयीन जिम्मेदारी के लिए संयंत्र की ओर कदम बढ़ाते हैं। अपना कार्य पूर्ण कर शाम को गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों को परस्पर तालमेल के साथ निभा रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई और उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देते हैं।

▪ **बसंत शाहजीत**
प्रकाशन अधिकारी, कोरबा

अखिल भारतीय व अंतरक्षेत्रीय खेल स्पर्धाओं से जागा जोश



» व्हालीबॉल में रायपुर सेंट्रल विजेता व कोरबा पश्चिम उपविजेता

राजनांदगांव क्षेत्र की मेजबानी में 11 से 13 दिसंबर तक व्हालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फाइनल मैच में रायपुर सेंट्रल ने कोरबा पश्चिम को 3-1 से पराजित कर खिताब पर कब्जा किया। रायपुर सेंट्रल से श्री नीरज वर्मा बेस्ट नेटर, राजनांदगांव क्षेत्र से बेस्ट अटैकर श्री अभिषेक नायडू एवं कोरबा पश्चिम से श्री संतोष पैंकरा बेस्ट डिफेंडर चुने गए।

मुख्य अभियंता श्री शिरीष सेलट द्वारा विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को शील्ड एवं ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री के.सी. खोटै, कार्यपालन अभियंता श्री बीरबल उइके, कार्यपालन अभियंता श्री आर.के. गोस्वामी, श्री ए.डी. टंडन, श्री एनके साहू, श्री सुरेश जाटवार, सहायक अभियंता श्री अनिल रामटेके, श्री रोहित मंडावी, श्री अनिल मिंज, श्री डी. दिलेश्वर राव, श्री वीरेन्द्र देवांगन, श्री लालाराम पटेल, श्री लोकेश्वर श्रीवास उपस्थित थे। सहयोग हेतु श्रीमती संध्या ध्रुर्वे, श्री शरद युनुस, श्री रूस्तम अली, श्रीमती रेखा पद्म, श्री इरफान कादरी, श्री अभिषेक रजक, श्री समर अब्बास एवं श्री निसार अब्बास को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन सहायक प्रकाष अधिकारी श्री धर्मेन्द्र शाह मंडावी ने किया।

अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए रायपुर सेंट्रल से श्री नीरज वर्मा, श्री राजेश शर्मा, श्री इन्द्रमणी पटेल एवं श्री डी.के. देवांगन, कोरबा पश्चिम श्री संतोष पैंकरा, श्री विनय कर, श्री अतुल राय,श्री शांतनु द्विवेदी एवं श्री प्रदेश कुमार, कोरबा पूर्व से श्री कृष्णपाल सिंह कंवर, श्री गजानंद नेताम एवं श्री अनिल कुमार, राजनांदगांव से श्री अभिषेक नायडू,श्री आषीश कच्छवाहा, श्री युवराज वर्मा, रायपुर रीजन से श्री खेलन सिंह यादव एवं श्री जावेद खान, मड़वा से श्री सतीश चौधरी, दुर्ग से श्री रवि चन्द्राकर एवं बिलासपुर से श्री रमेश खमरिया का चयन किया गया है।



अखिल भारतीय टेबल टेनिस में छत्तीसगढ़ उपविजेता, टीम इवेंट में रजत, सिंगल्स एवं डबल्स में कांस्य

46वीं अखिल भारतीय विद्युत पुरूष टेबल टेनिस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी को उपविजेता बनने का गौरव मिला है। छत्तीसगढ के खिलाड़ियों ने टीम इवेंट में रजत व सिंगल्स एवं डबल्स में कांस्य पदक जीता है। 19-21 दिसंबर 2024 को लखनऊ में आयोजित इस टूर्नामेंट में 9 राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक जेनको, कर्नाटक ट्रांसको , पश्चिम बंगाल, असम,तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल की स्टेट पॉवर यूटिलिटीज की टीमों से मुकाबला कर छत्तीसगढ़ की टीम ने टीम इवेंट में रजत, सिंगल्स एवं डबल्स में कांस्य पदक हासिल किया। इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव (आई.ए.एस.),ने टीम को बधाई दी।

टीम इवेंट के फाइनल मैच में श्री रजनीश ओबेरॉय, समीर तिवारी, टी. पी सिंह, प्रशांत बापट व अनुराग शर्मा ने शानदार पारी खेली। टीम के मैनेजर श्री सागर पिंपलापुरे एवं कोच श्री संजीव केशकर थे।

» बैडमिंटन में रायपुर विजेता, कोरबा पश्चिम उपविजेता



अंतरक्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता रायपुर में 7 से 9 दिसम्बर में आयोजित की गई। 10 टीमों ने इस स्पर्धा में भाग लिया। स्पर्धा में टीम इवेंट में 12 सालों से चौंपियन रही कोरबा वेस्ट की टीम को रायपुर क्षेत्रीय टीम ने शिकस्त देकर विजेता का खिताब हासिल किया। खिलाड़ी सर्वश्री योहन नायक, राजेश ठाकुर, दिलेश्वर ठाकुर, गिरीश कुमार व नवीन एक्का को विजेता ट्राफी प्रदान की गई। इसी प्रकार उपविजेता टीम कोरबा वेस्ट के खिलाड़ी सर्वश्री अविनेश पाठक, सीमांत मिंज, एम जोशी, नरेंद्र उइके एवं गौरव गुप्ता को भी ट्राफी व मेडल प्रदान किया गया। महिला एकल में विजेता संध्या रानी कोरबा पूर्व एवं उपविजेता झरना लता साहू रायपुर क्षेत्र रहीं। महिला युगल में रायपुर सेंट्रल की जुवेना गोम्स, सरोज डिहरी विजेता एवं कोरबा पूर्व की संध्यारानी व श्रद्धा पिल्लई उपविजेता रहीं।

पुरूष युगल मुकाबले में विजेता डी बाखला मड़वा व ऐश्वर्य पाठक रायपुर सेंट्रल रहे। उपविजेता कोरबा पश्चिम के श्री अविनेश पाठक व श्री नरेंद्र उइके रहे। इसी तरह वेटरन एकल (45 वर्ष से अधिक) में रायपुर सेंट्रल के श्री संजय वैद्य विजेता एवं बिलासपुर के श्री योगेश पटेल उपविजेता रहे। वेटरन युगल में रायपुर सेंट्रल के श्री संजय अग्रवाल व श्री संजय वैद्य विजेता तथा बिलासपुर के श्री मधुप पटेल व श्री योगेश पटेल उपविजेता रहे। कार्यपालक निदेशक सिविल श्री डीके तुली को लाईफटाइम अचीवमेंट सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक (वितरण) श्री भीमसिंह कंवर थे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री एमएस चौहान, केएस मनोठिया, जेएस नेताम, डीके तुली विशेष रूप से उपस्थित थे। मंच संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविन्द पटेल ने किया एवं आभार प्रदर्शन क्रीड़ा सचिव श्री विनय चंद्राकर ने किया। केंद्रीय पर्यवेक्षक श्री ओंकार चंद्राकर रहे। अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिये श्री अविनेश पाठक, श्री हितेंद्र मार्कंडेय, उपस्थित रहे। श्री धनेश्वर राम भाकला, श्री सीमांत मिंज, श्री ऐश्वर्य पाठक, श्री योहान नायक, श्री राजेश ठाकुर, श्री नरेंद्र उईके एवं महिला खिलाड़ी श्रीमती संध्या रानी, श्रीमती झरना साहू, जुवेना गोम्स, गायत्री दीवान, कृतिका शर्मा व सरोज धिरही का चयन किया गया है।

» क्रिकेट में मड़वा विजेता, रायपुर सेंट्रल उपविजेता



डीएसपीएम ताप विद्युत गृह में अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 07 से 13 जनवरी तक हुआ। कुल 10 रीजन की टीमों ने भाग लिया। फायनल मैच में मड़वा ने विजेता और रायपुर सेन्ट्रल ने उपविजेता का खिताब हासिल किया। मैन ऑफ द मैच श्री सीएस पटेल, निर्णायक की भूमिका श्री सज्जी टी जॉन, श्री रविन्द्र ध्रुव ने निभाई। बेस्ट बेट्स मैन का खिताब रायपुर सेन्ट्रल के श्री विश्वास वैष्णव, बेस्ट बॉलर रायपुर रिजन के श्री गुलशन रंगारी, बेस्ट फिल्डर, मड़वा के श्री सीएस पटेल, बेस्ट विकेट कीपर श्री विजय डहरिया, प्लेयर ऑफ टुर्नामेंट रायपुर सेन्ट्रल के श्री रोहित वर्मा को दिया गया। केन्द्रीय पर्यवेक्षक श्री शंकर नारायण नायडू को लाईफ टाईम एचिवमेंट से सम्मानित किया गया। मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री सुनील सरना, श्री विजय सेन चौधरी, एवं वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी, मुख्य रसायनज्ञ श्री गोवर्धन सिदार उपस्थित रहे। ऑल इंडिया क्रिकेट टीम के लिए सभी 10 रीजनों से 30 खिलाड़ियो का चयन जिसमें कोरबा पूर्व से श्री शैलेष चौधरी, श्री सरोज राठौर, श्री नाईजिल रॉड्रिक्स, श्री विजीत सोरी, कोरबा पश्चिम से श्री शशांक कर्महे, श्री बलराम यादव, श्री गौरव गुप्ता, श्री देवेन्द्र वर्मा रहे। मैच के एम्पायर श्री शैलेष उपाध्याय, श्री रविन्द्र ध्रुव, श्री युवराज सिंह, श्री शज्जी टी जॉन, श्री नरेन्द्र गजब और श्री भुपेन्द्र रहें। कंमेन्ट्री कार्यपालन अभियंता, श्री ए. एस. तोमर एवं मंच का संचालन अधीक्षण अभियंता श्री आर. पी. टण्डन, एवं श्री घनश्याम साहू द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

» कबड्डी में कोरबा पश्चिम विजेता, उप विजेता बिलासपुर



अन्तर क्षेत्रीय कबड्डी स्पर्धा जगदलपुर में 21 से 23 दिसम्बर को सम्पन्न हुई। जिसमें छत्तीसगढ़ नौ क्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया। कोरबा पश्चिम की टीम विजेता रहीं जबकि उप विजेता बिलासपुर क्षेत्र की टीम रहीं। स्पर्धा के बेस्ट कैचर बिलासपुर क्षेत्र के श्री राजेन्द्र सिदार एवं बेस्ट रेडर कोरबा पश्चिम के श्री भुनेश्वर को घोषित किया गया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह कार्यपालक निदेशक श्री सहदेव कुमार ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। निर्णायक श्री प्रमोद कुमार चौधरी तथा जिला स्तर के निर्णायक श्री मन्नु लाल साहू, श्री अभय माने, श्री अविनाश माने एवं श्री सागर शर्मा का सहयोग सराहनीय रहा।

» लॉन टेनिस में कोरबा पश्चिम विजेता, दुर्ग क्षेत्र उपविजेता



अंतरक्षेत्रीय लॉन टेनिस स्पर्धा हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम में 4 से 6 जनवरी को आयोजित की गई।हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम ने टीम इवेंट एवं ओपन सिंगल का खिताब जीता। ओपन सिंगल में एचटीपीएस कोरबा पश्चिम के श्री हर्षल विश्वकर्मा ने दुर्ग रीजन के श्री रजनीश ओबेराय को 7-2 से परास्त कर जीत दर्ज की। ओपन डबल्स में एचटीपीएस कोरबा पश्चिम के श्री हर्षल विश्वकर्मा एवं श्री सुनील सिंग ने दुर्ग रीजन के श्री रजनीश ओबेराय एवं रायपुर रीजन के खिलाड़ी, श्री अहतेशाम उलहक को 7-3 से हराया। एचटीपीएस कोरबा पश्चिम, डीएसपीएम कोरबा पूर्व, बिलासपुर रीजन, रायपुर सेंट्रल, रायपुर रीजन, दुर्ग रीजन एवं राजनांदगांव रीजन की टीम शामिल रहे। कार्यपालक निदेशक श्री के. एस. मनोठिया, मुख्य अभियंता श्री पीके. श्रीवास्तव, श्री पीके स्वैन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आरके पांडेय, श्री एमके गुप्ता एवं श्री केएनबी राव उपस्थित थे।



दुर्ग जिले में विद्युत अधोसंरचना विस्तार

दुर्ग जिले में जनवरी 2024 से लेकर दिसंबर 2024 तक 669 वितरण ट्रांसफार्मर, 03 पॉवर ट्रांसफार्मर, 33 के.वी. क्षमता की 17.81 किलोमीटर लाइन, 11 के.वी. क्षमता की 124.426 किलोमीटर लाइन, निम्नदाब की 372.434 किलोमीटर लाइन, कृषि सिंचाई पंप कनेक्शन के 1152 कार्य, 8537 घरेलू कनेक्शन, गैर घरेलू के 1795 कनेक्शन, पेयजल हेतु 84 कनेक्शन एवं औद्योगिक प्रायोजन हेतु 98 कनेक्शन के कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा विद्युत अधोसंरचना विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देशों के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के कार्यों में तेजी दिखाई पड़ने लगी है, जिसके तहत 12 जून 2024 को पाटन में 220/132 के.वी. विद्युत उपकेंद्र तथा 160 एम.वी.ए. का ट्रांसफार्मर प्रबंध निदेशक, पारेषण कंपनी श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। पाटन में इस अति उच्चदाब विद्युत उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से धमतरी, दुर्ग तथा रायपुर जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। इस उपकेंद्र से नवनिर्मित 132/33 के.वी. उपकेंद्र अमलेश्वर को विद्युत सप्लाई दी जाएगी एवं भविष्य में 132/33 के.वी. उपकेंद्र अंडा, जामगांव, अर्जुनी, भखारा, भिलाई, रूआबांधा एवं 220/132 के.वी. उपकेंद्र डोमा को भी विद्युत प्रदाय किया जाएगा। यहाँ से 12 नग फीडर निकलेंगे जो कि रायपुर, भिलाई, दुर्ग, धमतरी जिलों को सुविधा प्रदान करेंगे। इस विद्युत उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से 209 गांवों, 2 नगर पंचायतों, 2 नगरपालिका निगमों के लगभग 80,000 विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इस कार्य की लागत 58 करोड़ रुपये से अधिक है।

मुख्यमंत्री विद्युत अधोसरंचना विकास योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ सतत विद्युत सप्लाई देने हेतु उपकेंद्रों में क्षमता विस्तार के विभिन्न कार्य करवाये जा रहे हैं। इसी तारतम्य में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र नेहरु नगर में 01 जुलाई 2024 को 08 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर 10 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से किया गया है। इसके साथ ही कोहका जोन अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र जुनवानी, भिलाई में 04 मार्च 2024 को 05 एम.व्ही.ए. का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर चार्ज किया गया।

दुर्ग जिले में स्थित 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र(सबस्टेशन) भेड़सर में 24 लाख रुपए की लागत से 3.15 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाकर उर्जीकृत किया गया, जिससे लगभग 3700 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। दुर्ग जिले के बघेरा जोन के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र पुलगांव में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता 3.15 एम.व्ही.ए. से बढ़ाकर 05 एम.व्ही.ए. किया गया है। पॉवर ट्रांसफार्मर को 12 दिसम्बर 2024 को उर्जीकृत कर उपभोक्ता सेवा में विस्तार किया गया। उक्त कार्य से विद्युत उपकेंद्र पुलगांव के लगभग 2000 उपभोक्ताओं तक उच्च गुणवत्ता की बिजली पहुंचेगी।

विद्युत सेवाओं में विस्तार करते हुए उपभोक्ताओं को गर्मी के मौसम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिए लंबी दूरी के फीडर को दो-तीन भागों में बांटकर छोटा किया जा रहा है, जिससे पूर्व से स्थापित फीडर पर लोड कम होगा और उपभोक्ताओं को बिना किसी व्यवधान के विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी। 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र पुलगांव, दुर्ग से निकलने वाली 11 के.व्ही. महेश कॉलोनी फीडर को दो भागों में विभक्त किया गया तथा नया 11 के.व्ही. कपड़ा मार्केट फीडर बनाया गया है। नये फीडर को 21 मार्च 2024 को चार्ज किया गया। इससे कपड़ा मार्केट सहित पुलगावं बस्ती, नदी रोड, महेश कॉलोनी, ऋषभ सिटी, गंजपारा और आसपास के क्षेत्र में लगभग 1700 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

जवाहर नगर जोन के अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. कर्मचारी नगर सबस्टेशन से निकलने वाली लगभग 15 किलोमीटर दूरी के एसटीएफ फीडर को दो भागों में बांटकर नये 11 के.व्ही. कोटनी फीडर को चार्ज किया गया। लगभग 8-8 किलोमीटर के दो 11 के.व्ही. लाइन के साथ विभाजित कर नये 11 के.व्ही. कोटनी फीडर चार्ज किया गया।

इसी तरह लगभग 21 लाख 40 हजार रुपए की लागत से जवाहर नगर जोन के अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. एस.ए.एफ. सबस्टेशन से निकलने वाली लगभग 14 किलोमीटर लंबाई के कातुलबोर्ड एवं सिंधिया नगर फीडर को विभाजित कर तीसरे नये 11 के.व्ही. हरि नगर फीडर को 29 नवंबर 2024 को चार्ज किया गया है। 33/11 के.व्ही. एस.ए.एफ. विद्युत उपकेंद्र से निकलने वाली 11 के.व्ही. फीडर कातुलबोर्ड एवं सिंधिया नगर फीडर को लगभग सात-सात किलोमीटर 11 के.व्ही. लाइन के दोनों फीडरों को विभाजित कर लगभग साढ़े पांच किलोमीटर का एक नया 11 के.व्ही. हरि नगर फीडर चार्ज किया गया।

दुर्ग शहर जोन के अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. दुर्ग सबस्टेशन से निकलने वाली लगभग 7.87 किलोमीटर लंबाई के तकियापारा एवं खंडेलवाल फीडर को विभाजित कर तीसरे नये 11 के.व्ही. ऋषभ नगर फीडर को चार्ज किया गया। नये 11 के.व्ही फीडर ऋषभ नगर 12 दिसंबर 2024 को चार्ज किया गया।

33/11 के.व्ही. दुर्ग विद्युत उपकेंद्र से निकलने वाली 11 के.व्ही. फीडर तकियापारा एवं खंडेलवाल फीडर को सात किलोमीटर से अधिक 11 के.व्ही. लाइन के दोनों फीडरों को विभाजित कर लगभग 1.3 किलोमीटर के एक नये 11 के.व्ही. ऋषभ नगर फीडर को चार्ज किया गया, उक्त नये फीडर के चार्ज होने से शास्त्री चौक, ऋषभ नगर, बैजनाथ पारा, मुकुंद भवन एवं आसपास के क्षेत्र को गुणवत्तावूर्ण विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा सकेगी।

▪ **माया चंद्राकर**
प्रकाशन अधिकारी, दुर्ग



POWER SECTOR ROUND UP 5

Vinay Pandey
S.E. CSPGCL
Raipur

Break Through

1. In the pursuit of limitless clean energy, China's Artificial Sun, known as Experimental Advanced Superconducting Tokamak (EAST), creating a new record, burned for over 1000 seconds reaching a temperature of 100 million C. A tokamak is a machine that confines a plasma using magnetic fields in a donut shape to create nuclear fusion like the Sun, using Deuterium from the sea to provide a steady stream of clean energy.
2. By January end, with the total installed solar power capacity reaching 100.33 GW on 31st Jan. India has crossed the milestone of 100 GW of solar power.
3. On 6th Feb, Tata Power arm TP Solar inaugurated India's largest single-location solar manufacturing facility at Tirunelveli in TN. The 4.3 GW solar cell and module manufacturing plant will employ about 4000 strong workforce with 80% Women.
4. With commissioning of first 660 MW unit at 2X660 MW Khurja TPP at Bulandshahr (UP), on 25th Jan, THDC entered thermal domain. Foundation stone for about 13000 Cr project was laid on 09/03/19.

Policy Initiative

5. On 6th Feb, MoP, issued Guidelines for the Developers as well as Procurers, for procurement of storage capacity from existing, under-construction or new PSPs.
6. On 11th Feb MoP, issued Draft Guidelines for designating a company as Renewable Energy implementing Agency (REIA). Comments are solicited in 15 days.
7. On 12TH Feb, MoP issued Amendment to the TBCB Guidelines for Procurement of Firm & Dispatchable Power from Grid Connected RE Projects with ESS. Among others, theses amendments relate to Connectivity, Change in law, Default conditions, Technical criterion, Timelines for PPA/ PSA etc. On the same day, amendments to two other TBCB Guidelines namely Procurement of Power from Wind Solar Hybrid Projects and Procurement of Power from Solar PV Power Projects were also issued.
8. On 18th Feb, MoP issued an advisory mandating a minimum of 2 hr co-located ESS, equivalent to 10% of the installed capacity, in future solar tenders.
9. On 20th Jan. President Trump announced US withdrawal from Paris climate accord for a 2nd time. He also declared a "National Energy Emergency" to expand drilling in the world's top oil and gas producer. Declared that scrapping of "Electric Vehicle Mandate" and halt on offshore wind farms is also on cards.

Legal / Regulatory

10. Following opposition from local communities, environmentalists and civil society groups, World Bank has reclused from $40 million grant to Ahmedabad based Abellon Clean Energy Ltd for 4 'Waste To Energy' incineration plants proposed at Rajkot, Vadodara, Ahmedabad & Jamnagar.
11. On 21st Feb, APERC approved 4000 MU PPA by Andhra Discoms from SECI. The deal became controversial after charges by US Department of Justice over alleged $ 250 mn bribe to Indian officials.
12. On 12th Feb, Adani Group withdrew from further engagement in a $442 mn wind power venture in Sri Lanka after country's authorities attempted to modify the PPA.

Commercial

13. On 5th Feb, JSW Energy, declared securing a 1,600 MW greenfield TPP from WBSEDCL under competitive bidding with domestic linkage under tSHAKTI B (iv) policy.
14. As per a report, Adani Green is in advanced talks with SBI-led consortium to raise up to Rs 10,000 crore to repay foreign currency loans worth $1.1 billion, due in March. The domestic refinancing comes after scrapping of $600 million dollar bond offering in Nov.
15. In 2024 China began construction on 94.5 GW of coal power plant capacity with resumption of 3.3 GW suspended projects. It is highest in nearly a decade.
16. BHEL has got about 8000 Cr LOA for 2x660 MW BTG package of Mahagenco's Koradi TPS.
17. On Monday, Adani Power got approval from committee of creditors for acquiring Nagpur based 2X300 MW Vidarbha Industries Power Ltd (VIPL).

Set back

18. As per revised estimates, commissioning delays may lead to addition of only around 8 GW thermal capacity by end of this FY against target of 15 GW.



केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, अम्बिकापुर

सुरक्षित कार्यशैली की महत्वपूर्ण कड़ी है प्रशिक्षण



मैदानी कर्मचारियों को विद्युतीय कार्य की बारीकियां सिखाता है तकनीकी प्रशिक्षण। प्रशिक्षण से विद्युतीय कार्य, लाइन सुधार एवं रखरखाव संबंधी कौशल उन्नत होता है। फलस्वरूप मैदानी कर्मचारी अधिक सुरक्षा के साथ कार्य कर पाते हैं। यह उनके सेवाकॉल का अत्यंत उपयोगी चरण है। यह उनके परिवार की सुरक्षा सहित विद्युत कम्पनी के लिये भी लाभदायक है। अम्बिकापुर केन्द्र में यह प्रशिक्षण गुणवत्तापूर्वक दिया जा रहा है।

▪ **श्री टी. के. मेश्राम**
कार्यपालक निदेशक (अम्बिकापुर क्षेत्र)

अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के अधीन केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान जबलपुर में संचालित था। क्षेत्रीय मुख्यालय रायपुर में क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया, जिसमें विद्युत लाइनों में कार्य करने वाले लाइन कर्मचारियों यथा परिचारक श्रेणी एक/दो/तीन (ला.) को विद्युत लाइनों के निर्माण एवं उनके रखरखाव सहित सुरक्षित कार्य सम्पादन हेतु कर्मचारियों द्वारा अपनाई जाने वाली तकनीकी एवं सावधानियों से संबंधित बिन्दुओं पर लिखित, मौखिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाता था। प्रशिक्षण कार्यक्रम को विकास एवं गति देने के लिये क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर के अधीन दो तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र एक रायपुर एवं दूसरा अम्बिकापुर में स्थापित किया गया।

तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र अम्बिकापुर की स्थापना अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में 08 जून 1989 को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर के अधीन की गई थी तथा तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र अम्बिकापुर में प्रशिक्षण का औपचारिक शुभारंभ 5 सितम्बर 1989 को शिक्षक दिवस के ऐतिहासिक दिन किया गया। प्रथम बैच में 75 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अम्बिकापुर केन्द्र में कुल 10 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रथम बैच 05 सितम्बर 1989 से प्रारंभ होकर 21 नवम्बर 1989 तक चला। इसके पश्चात प्रशिक्षण हेतु चयनित कर्मचारियों के बैच रायपुर से क्रमशः आदेशित होते रहे।

01 नवम्बर 2000 को मध्यप्रदेश से पृथक होकर छत्तीसगढ़ राज्य के अस्तित्व में आते ही क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर को जबलपुर से मुक्त कर मुख्य अभियंता छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल रायपुर क्षेत्र के अधीन कर दिया गया। फलस्वरूप प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत अम्बिकापुर प्रशिक्षण केन्द्र भी स्वतः इनके नियंत्रण में आ गया। कम्पनी बनने के बाद वर्ष 2010 में केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर की स्थापना हुई जिसका मुख्य कार्यालय गुढ़ियारी रायपुर में संचालित है। कोविड संक्रमण कॉल के पूर्व अम्बिकापुर केन्द्र में प्रशिक्षण हेतु कुल 137 बैच आदेशित हुये। इस केन्द्र में 75 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का अंतिम बैच 26 अप्रैल 2020 तक चला। कोविड संक्रमण के कारण बैच क्रमांक 137 के बाद अन्य कार्यालयों की तरह प्रशिक्षण कार्य पर भी लघु विराम लग गया।

कोविड के बाद मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण, अनु. एवं विकास) केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर द्वारा मैदानी कर्मचारियों के लिये 75 दिवस के स्थान पर संशोधित 30 कार्यदिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस कार्यक्रम में पूर्व की भांति छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनीज में परिचारक श्रेणी एक/दो/तीन के पद पर कार्यरत लाइन कर्मचारियों को मैदानी कार्य, लाइन निर्माण एवं रखरखाव, विद्युत सामग्री का विवरण एवं उपयोग तथा सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रणाली से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। संशोधित 30 कार्यदिवस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रथम बैच आर-1 की शुरूआत 13 सितम्बर 2021 से हुई। वर्तमान में बैच संख्या आर-24 (अवधि 19.12.2024 से 31.01.2025) में कुल 23 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया।

तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र अम्बिकापुर में 05

सितम्बर 1989 से जनवरी 2025 तक आदेश पारित एवं प्रशिक्षित लाइन कर्मचारियों की संख्या -

प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या	
बैच संख्या	**कर्मचारी**
1 से 137 तक	2369
आर-1 से 24	477
कुल बैच-161	2846

प्रमुख तथ्य-

तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र अम्बिकापुर

- केन्द्र का शुभारंभ तत्कालीन मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के अधीन शिक्षक दिवस के दिन 05 सितम्बर 1989 को हुआ।
- यह केन्द्र छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी के अधीन स्थानीय स्तर पर मुख्य अभियंता (अम्बिकापुर क्षेत्र) तथा केन्द्रीय स्तर पर मुख्य अभियंता (प्रशि. अनु. एवं विकास) गुढ़ियारी रायपुर के अधीन है।
- केन्द्र में 1989 से 31 जनवरी 2025 तक आदेशित 161 बैच में कुल 2846 लाइन कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- प्रशिक्षण केन्द्र में कर्मचारियों को निःशुल्क आवास सुविधा प्रदान की जाती है।
- केन्द्र में तकनीकी प्रशिक्षण के अतिरिक्त कर्मचारियों को स्थापना से संबंधित विषय यथा सेवा पुस्तिका, विभिन्न प्रकार के अवकाश नियम, यात्रा भत्ता देयक, कैशलेस चिकित्सा लाभ, यात्रा अवकाश नगदीकरण, अतिरिक्त कार्य मजदूरी देयक, पेंशन आदि की जानकारियां भी दी जाती हैं।
- ट्रांसमिशन कम्पनी में कार्यरत 70 कर्मचारियों को बैच संख्या आर-14, 15 एवं 16 में अम्बिकापुर केन्द्र से प्रशिक्षण दिया गया है।
- विभिन्न स्थानों से वोकेशनल ट्रेनिंग हेतु आए पत्रोपाधि छात्र/छात्राओं को विगत दो वर्षों से प्रशिक्षण केन्द्र में विद्युत लाइन एवं उपकरण से संबंधित एक सप्ताह की ट्रेनिंग दी जा रही है।
- वर्तमान में केन्द्र में पदस्थ श्रीमती रश्मि तिर्की (सहायक अभियंता एवं केन्द्र प्रभारी) एवं प्रशिक्षक यतिन्द्र प्रसाद गुप्ता (परीक्षण सहायक श्रेणी-1) द्वारा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जा रहा है।



इस पहल के लिए अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह द्वारा एमडी श्री भीम सिंह तथा ईडी श्री वी. के. साय का अभिनंदन

बिजली उपभोक्ताओं के लिए 'बिजली मितान बॉट' सेवा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा किये गये सुशासन के आव्हान से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा उपभोक्ता सेवाओं में विस्तार करते हुए **'बिजली मितान बॉट'** की सुविधा अपने लगभग 64 लाख उपभोक्ताओं के लिए प्रारम्भ की जा रही है। वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर द्वारा समस्त उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठायें। श्री कंवर द्वारा विद्युत कर्मियों से अपील की गई है कि वे इस नई सुविधा के संबंध में उपभोक्ताओं को समुचित जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें इसका लाभ लेने हेतु प्रेरित करें।

व्हाट्सऐप बॉट का उपयोग करने के लिए पॉवर कंपनी के व्हाट्सऐप बॉट नंबर 9425551912 पर HI लिखकर भेजना होगा, वहीं वेब बॉट का उपयोग करने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की वेबसाइट cspdcl.co.in विजिट करना होगा। पहले चरण में उपभोक्ता बिजली मितान बॉट के माध्यम से बिजली आपूर्ति, ट्रांसफार्मर खराबी एवं बिजली दुर्घटना से सम्बंधित शिकायत आसानी से दर्ज कर सकते हैं, साथ ही साथ उसकी स्थिति भी इस बॉट के माध्यम से जान सकते हैं। अगर उपभोक्ता को अपनी बकाया राशि, अंतिम बिल और अंतिम भुगतान की जानकारी जाननी हो तो भी 'बिजली मितान बॉट' के माध्यम से जान सकते हैं।

कुछ उपभोक्ताओं को बिल प्राप्त न होने की शिकायत रहती है वे भी अब बड़ी आसानी से इस बॉट के माध्यम से बिल की पीडीएफ प्रति यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की विस्तृत जानकरी भी प्राप्त की जा सकती है।

निकट भविष्य में इस बिजली मितान बॉट में बिजली बिल भुगतान, मोबाइल नंबर पंजीकरण, नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन, लोड परिवर्तन, नाम परिवर्तन, टैरिफ की जानकारी, बिजली चोरी की सूचना देने की सुविधा, स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की उपभोक्ता सेवाएं इस बॉट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

कैसे करें उपयोग...

सर्वप्रथम पॉवर कंपनी के व्हाट्सऐप बॉट नंबर 9425551912 को अपने (Contact) लिस्ट में सेव करें। सेव करने के बाद ऊपर दिए गए नंबर पर Hi लिखकर भेजे। इसके बाद आपको भाषा (हिंदी/अंग्रेजी) का चयन करना होगा। भाषा चयन के बाद आपके द्वारा जिस नंबर से चैट किया जा रहा है, उस नंबर से पंजीकृत उपभोक्ता क्रमांक प्रदर्शित होने लगेगा, जिस उपभोक्ता क्रमांक की जानकारी आपको लेनी है उसे सेलेक्ट करना होगा। इसके बाद आपको बॉट में उपलब्ध उपभोक्ता सेवाओं की लिस्ट प्रदर्शित होने लगेगी, इसके पश्चात आपके इनपुट के आधार पर बॉट उपभोक्ता सेवाओं की जानकारी आपको उपलब्ध करा दी जाएगी। ऐसे उपभोक्ता जिनका उपभोक्ता क्रमांक मोबाइल नंबर के साथ पंजीकृत नहीं है वे अपने मोबाइल नंबर का पंजीकरण मोर बिजली ऐप, कंपनी की वेबसाइट (cspdcl.co.in), कॉल सेंटर 1912 एवं अपने बिजली ऑफिस के माध्यम से कर सकते हैं।

अनवरत विद्युत विकास



» कबीरधाम

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल ग्राम दलदली (दरई) में 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। अब इस नए विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण से तीन नए 11 के. व्ही. फीडर मुडादादर, धनवाही और बनगौरा फीडर से सुचारू बिजली आपूर्ति होगी। परियोजना पर 3.20 करोड़ रूपए की लागत आएगी। 1170 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री रंजीत घोष, कार्यपालन अभियंता श्री के.के. झा उपस्थित थे।





» दुर्ग

दुर्ग क्षेत्र में जवाहर नगर जोन स्थित 33/11 के.व्ही. एस.ए.एफ. सबस्टेशन से निकलने वाले लगभग 14 किलोमीटर लंबाई के कातुलबोड एवं सिंधिया नगर फीडर को विभाजित कर तीसरे नये 11 के.व्ही. हरि नगर फीडर को 29 नवम्बर को मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर द्वारा चार्ज किया गया।

21. 40 लाख रूप्ए लागत वाले इस कार्य से 1800 से अधिक उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता शहर वृत्त श्री तरुण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता श्री संतोष मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र कुमार भारती एवं श्री रवि कुमार दानी, सहायक अभियंता श्री ढालेश्वर साहू,, श्री राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, श्रीमती अंजू देसाई, श्री चन्द्रकांत साहू एवं कनिष्ठ अभियंता श्री जसवंत सिंह, श्री गोपाल वर्मा, अनीता ढाले उपस्थित रहे।

» दुर्ग शहर

दुर्ग शहर जोन के अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. दुर्ग सबस्टेशन से निकलने वाले लगभग 7.87 किलोमीटर लंबाई के तकियापारा एवं खंडेलवाल फीडर को विभाजित कर तीसरे नये 11 के.व्ही. ऋषभ नगर फीडर को मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर द्वारा 12 दिसंबर 2024 को चार्ज किया गया। लगभग 1550 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। कार्य की लागत 33 लाख 79 हजार रूपए है। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता शहर वृत्त श्री तरुण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता श्री संतोष मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र कुमार भारती एवं श्री रवि कुमार दानी, सहायक अभियंता श्रीमती श्वेता वर्मा, श्री राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, श्री आलोक साहू, श्री चंद्रकांत साहू एवं कनिष्ठ अभियंता श्री गोपाल वर्मा उपस्थित रहे।



» पंडरिया

ग्राम गांगपुर (बिरमपुर)में नवनिर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र का लोकार्पण विधायक पंडरिया श्रीमती भावना बोहरा द्वारा 17 दिसम्बर को किया गया। मुख्य अभियंता श्री शिरीष सेलट ने बताया कि इस कार्य में 2 करोड़ 39 लाख रूपए की लागत से 3.15 एम.व्ही.ए. का नया पॉवर ट्रांसफार्मर, 08 कि.मी. 33 के. व्ही. एवं 06 कि.मी. 11 के. व्ही. की नई लाइन सृजित की गई है। ग्राम गांगपुर (बिरमपुर)में निर्मित होने वाले इस उपकेन्द्र से तीन फीडर यथा देवसरा, केषलीगोड़न एवं बिरमपुर के माध्यम से 2229 कृषक एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को विद्युत की सुविधा मिलेगी। अधीक्षण अभियंता श्री रंजीत घोष, कार्यपालन अभियंता श्री के.के. झा, श्री के. एल. उइके, श्री एच. पी. गुप्ता उपस्थित थे।

» मुंगेली

नवरंगपुर में 2 करोड़ 34 लाख की लागत से 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र में 3. 15 एमवीए की क्षमता वृद्धि की गई। जिसका लोकार्पण उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव के मुख्य आतिथ्य में 8 दिसम्बर को संपन्न हुआ। इस कार्य से 22 गांवों के 6 हजार उपभोक्ता को लाभ मिलेगा। मुख्य अभियंता श्री ए. के. अम्बस्ठ सहित अधीक्षण



श्री संतोष मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र कुमार भारती एवं श्री रवि कुमार दानी, सहायक अभियंता श्रीमती श्वते वर्मा, श्री राजेन्द्र गिरी गोस्वामी,श्री आलोक साहू, श्री चन्द्रकांत साहू ,श्री महेन्द्र साहू एवं कनिष्ठ अभियंता श्री गोपाल वर्मा, श्री सोहराब खान उपस्थित रहे।

अभियंता श्री एस के जांगड़े, कार्यपालन अभियंता श्री अंशु वासने,श्री यू के सोनवानी,सहायक अभियंता सौरभ विश्वकर्मा उपस्थित थे।

» कोरबा

वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने 12 जनवरी 2025 को सीएसईबी कॉलोनी पूर्व में 33 केवी सबस्टेशन का शिलान्यास किया। कोरबा शहर के लिए 5 रूपए की लागत से निर्मित किया गया। अधीक्षण अभियंता श्री पी आर साहू, कार्यपालन अभियंता श्री हेमंत चन्द्रा, श्री सैयद मुख्तार , श्री अनुपम सरकार, श्रीमती तृप्ति जांगड़े, सहायक अभियंता श्री पीके चौबे, श्री संजीव केशकर, श्री दीप्तेन मुखर्जी, श्री संतोष देवांगन, श्री संचारी सिंह, श्रीमती वर्षा सोनी, श्रीमती छाया जीनस उपस्थित थी।





» दुर्ग बघेरा

बघेरा जोन के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पुलगांव में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता 3. 15 एमवीए से बढ़ाकर 5 एमवीए की गई। लगभग 56 लाख रूपए की लागत से पूर्ण इस कार्य को मुख्य अभियंता श्री एम जामुलकर द्वारा 12 दिसम्बर को चार्ज किया गया। 2000 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता नगर वृत्त श्री तरुण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता

» बिलासपुर

मुक्तिधाम और साईंस कॉलेज में 33 केवी के दो सबस्टेशन का निर्माण कार्य पूर्ण उपरांत 26 अक्टूबर को विधायक श्री अमर अग्रवाल द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस अवसर पर बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला एवं महापौर बिलासपुर रामशरण यादव उपस्थित थे।

मुख्य अभियंता श्री एके अम्बस्ठ ने बताया कि देवकीनंदन मुक्तिधाम सरकण्डा में 2 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत व साईंस कॉलेज सबस्टेशन में 2. 50 करोड़ जगहों पर उपकेन्द्र निर्माण कार्य किये जाने है। इस सबस्टेशन के निर्माण कार्य में 1. 90 करोड़ की लागत प्रस्तावित है।

» बिलासपुर बेलतरा

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के बनियाडीह और सेलर में 3 करोड़ 60 लाख रूपए से दो उपकेन्द्रों का लोकार्पण बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने किया। दोनों सब स्टेशनों के शुरू होने से 16 गांव के 12 हजार उपभोक्ताओं को फायदा पहुंचेगा। सेलर के सब स्टेशन की लागत 1 करोड़ 60 लाख वहीं पोंसरा में लगभग 2 करोड़ रूपए खर्च किया गया है। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश जांगड़े उपस्थित थे।





श्री अंजन कुमार धर

कार्यपालक निदेशक (एस एंड पी)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में सेल्स एंड परचेस (एस एंड पी) विभाग में कार्यपालक निदेशक के पद पर पदस्थ श्री अंजन कुमार धर का जन्म 8 मार्च 1963 को जबलपुर में हुआ। उनके पिता का नाम स्व अमल चंद्र धर और माता स्व श्रीमती मिनती धर है। पिता फौज में थे जिस कारण अनुशासित जीवन का आरंभ बचपन से ही हो गया था। जबलपुर के घर के पास इंजीनियरिंग कालेज हुआ करता था, वहां से रोज गुजरने के कारण इंजीनियरिंग क्षेत्र में रूचि आई और इंजीनियर बनने की ठान ली। वर्ष 1984 में यह स्वप्न पूरा हुआ, शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय जबलपुर (मध्य प्रदेश) से उन्हें बी ई (विद्युत) की उपाधि प्राप्त हुई ।

अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल से वर्ष 1987 में जबलपुर से स्नातक प्रशिक्षु के पद से सेवा प्रारंभ की, जहां उन्हें कार्यालय केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में पदस्थापना मिली। वे सहायक अभियंता के पद पर वर्ष 1988 से 1993 तक मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों मे पदस्थ रहते हुए 132 केवी सबस्टेशन पांडुर्णा, छिंदवाड़ा, गाड़रवाडा, खरसिया, पत्थलगांव, कोरबा, सक्ती अकलतरा में सेवाएं देते रहे। यह वह समय था जब बिजली क्षेत्र अपनी शैशव काल में था व बिजली से जुड़ी कई समस्याएं थीं। बुनियादी संरचना और संसाधनों की कमी के बीच बिजली संबंधी कार्य करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता था। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में मैदानी कार्य अधिक होते थे परंतु इस दौरान उन्होंने जनसंवाद के गुर सीखे और क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण अल्प समय में करने लगे। वर्ष 2006 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इस पद पर जांजगीर चांपा, राजनांदगांव, कोरबा एवं रायपुर में कार्यरत रहे। इन क्षेत्रों मे लाइन रेस्टोरेशन की समस्या अधिक थी।

इस कार्य को पूर्ण करने में समय के साथ-साथ तकनीकी चुनौतियां भी होती थी। इसी पद पर जब राजनांदगांव में पदस्थ थे तब 100 से अधिक ट्रांसफार्मरों का सुधार कार्य कर ट्रांसफार्मर विफलता दर को कम किया। इस कार्य को कम से कम खर्च पर पूर्ण करने का उल्लेखनीय कार्य किया। वर्ष 2019 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति उपरांत बैकुंठपुर में पदस्थापना हुई। वर्ष 2021 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर कार्यालय एस एंड पी में पदस्थापना की गई। वर्ष 2023 मे मुख्य अभियंता का पद ग्रहण करते हुए बिलासपुर क्षेत्र का कार्यभार सौंपा गया। इस पद पर रहते हुए 33 केवी सबस्टेशन के रूके हुये कार्य को पूर्ण किया। इस कार्यकाल मे ही रायगढ़ क्षेत्र का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। वर्ष 2024 दिसम्बर माह में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति मिली एवं पुनः एस एंड पी कार्यालय का कार्य भार प्राप्त हुआ।

उन्हें 38 वर्षों की सेवाकाल में कई दूरस्थ अंचलों में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ । उनका मानना है कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई से वे तकनीकी समस्याओं का निदान कर सकते हैं परंतु जन सेवा क्षेत्र में मानवीय पहलू का बड़ा महत्व रहता है। तकनीकी के साथ गैर तकनीकी कौशल होना आवश्यक है। जनसंवाद में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक अभियंता के तौर तर तकनीकी और गैर तकनीकी कौशल के बूते वे जनता की समस्याओं का निराकरण करने मे सफल रहे। यह उनके सेवाकाल की सबसे बड़ी पूंजी है।

विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने से वहां की विषमताओं से सामना करना पड़ता था तथा सीमित संसाधनों से कार्य करने का यह अपने आप में एक अलग अनुभव रहा। लोगों से मिले स्नेह के लिए वे कृतज्ञ हैं।

परिवार में पत्नी श्रीमती तमश्री धर का अपार सहयोग प्राप्त हुआ, जिसके चलते बच्चों की परवरिश व शिक्षा में कोई कमी नहीं रही। आज पुत्र और पुत्री दोनों बी टेक कर इंजीनियर हैं। पुत्र श्री अरिन्दम धर लीड प्रोडक्ट मैनेजर के पद पर बैंगलुरू में कार्यरत हैं। पुत्री सुश्री इशिता धर आईबीएम कंपनी बैंगलुरू में सॉफ्टवेयर डेवेलेपर हैं।

श्री धर अपनी जीवनशैली में योग और ध्यान के माध्यम से तनाव को कम करते हैं। इसके अलावा साहित्य पढ़ना और संगीत सुनना पसंद करते हैं। फिक्शन, टेक्निकल और मानव व्यवहार उनका पसंदीदा विषय है।

इस स्तंभ में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनीज़ के वरिष्ठ अधिकारियों, विभाग प्रमुखों के जीवन वृत्त का प्रकाशन क्रमिक रूप से किया जा रहा है ताकि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से तीनों पॉवर कंपनियों के प्रदेश भर में पदस्थ अधिकारी तथा कर्मचारी प्रेरणा लें। अपने-अपने क्षेत्रों में श्रेष्ठतम कार्य निष्पादन के लिये न सिर्फ नियमित दायित्वों का निर्वाह श्रेष्ठता से करें बल्कि नवाचार से प्रचलित परिपाटियों में बेहतर सकारात्मक सुधार के माध्यम भी बनें।

▪ **संपादक**

श्री जयेश कुमार बोन्डे

मुख्य अभियंता (सिविल)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में मुख्य अभियंता सिविल उत्पादन में पदस्थ श्री जयेश कुमार बोन्डे का जन्म 3 मार्च 1963 को छिंदवाडा (मध्य प्रदेश) में हुआ। उनकी माता श्रीमती शशिकला बोन्डे एवं पिता श्री रघुनाथ सहादेव बोन्डे है। पिता श्री रघुनाथ जी मध्यप्रदेश विद्युत मंडल से मेंबर टीएंडडी के पद से सेवानिवृत्त हुये। इस प्रकार श्री जयेश विद्युत मंडल से बचपन से जुडे रहें। उन्होंने वर्ष 1979 में पं. लज्जाशंकर उच्चतर माध्यमिक शाला जबलपुर से हायर सेकेंडरी की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्ष 1984 में जबलपुर के शासकीय अभियांत्रिक महाविद्यालय से बीई सिविल की उपाधि प्राप्त की। पढ़ाई के प्रति रूचि होने के कारण उन्होंने आगे भी वर्ष 2002 में एम टेक इन कम्प्यूटर साइंस व वर्ष 2012 में एमएस इन साइबर लॉ एंड सेक्यूरिटी के कोर्स भी किये।

वर्ष 1985 में प्रशिक्षु के रूप में सिविल विभाग के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत रहे। इस दौरान उन्हें तकनीकि प्रशिक्षण प्राप्त हुआ जिससे सिविल विभाग की कार्यप्रणाली को जानने का अवसर मिला। उन्हें वर्ष 1986 में कार्या कार्यपालक निदेशक सिविल जबलपुर में सहायक अभियंता के पद पर पदस्थ किया गया। वे वर्ष 1997 से 2008 तक कार्यपालन अभियंता कम्प्यूटर के पद के दायित्व का निर्वहन करते रहे। इस पद पर वे कार्यालय अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक, म.प्र पश्चिम क्षेत्र , इन्दौर में पदस्थ थे। वे वर्ष 2008 से 2018 तक सिविल डिस्ट्रीब्यूशन रायपुर में पदस्थ रहे। उन्हें वर्ष 2019 में अधीक्षण अभियंता सिविल के पद पर कार्यालय डिस्ट्रीब्यूशन बिलासपुर में पदस्थापना मिली। वर्ष 2022 में अति मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर कार्यपालक निदेशक जनरेशन रायपुर में पदस्थ हुए। वर्ष 2023 में मुख्य अभियंता सिविल का पदग्रहण कर विभागाध्यक्ष बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

उन्होंने सेवाकॉल के 41 वर्षों में कई महत्वपूर्ण कार्य संपादित किये। सहायक अभियंता के पद पर टोंस हाइडल प्रोजेक्ट के सिविल स्ट्रक्चर का डिजाइन कार्य करना। कार्यपालन अभियंता कम्प्युटर के दौरान इंदौर में सूचना प्रौद्योगिक प्रमुख के पद पर रहते हुये कॉल सेन्टर जीआईएस स्काडा, डीटीमीटरिंग एवं लाइन लॉस से संबंधित प्रोजेक्ट टेण्डरिंग एवं संपादन का कार्य संपादित किए। मुख्य अभियंता सिविल पदस्थापना के दौरान कार्यालय से संबंधित उत्पादन के संचालन संधारण कार्यो का सरलीकरण कर गति प्रदान किया। साथ ही विद्युत पॉवर कंपनी के नये मुख्यालय के निर्माण कार्य हेतु निविदा प्रक्रिया तक कार्य संपादित किया। अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में वायरलेस नेटवर्किंग पर शोत्र पत्र प्रकाशित हुआ।

इस पूरे सफर में पत्नी श्रीमती पद्मा जयेश बोन्डे का भरपूर साथ मिला । श्रीमती बोन्डे बीई, एमटेक, पीएचडी की उपाधि अर्जित कर शंकराचार्य प्रोफेशनल कॉलेज भिलाई में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। पुत्र श्री यश बोन्डे भी एनआईटी रायपुर से बीटेक कर चेन्नई की आईटी कंपनी में कार्यरत हैं।



सुरक्षा के साथ खदान संचालन में पॉवर कंपनी अव्वल

गारे पेलमा के पांच ईनाम

श्रेष्ठ कार्यों के प्रतीक - सुबोध सिंह

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को गारे पेलमा खदान के संचालन में सुरक्षा संबंधी मापदण्डों के पालन हेतु वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीनस्थ महानिदेशालय खान सुरक्षा द्वारा पांच महत्वपूर्ण पुरस्कारों से नवाजा गया है। इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने उत्पादन कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि यह हमारी टीम की प्रतिबद्धता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता का प्रतीक है।

केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीनस्थ महानिदेशालय खान सुरक्षा द्वारा वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर खदानों के रखरखाव और कार्य-निष्पादन का आकलन किया जाता है।

वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा 2024 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन विश्रामपुर में किया गया, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में गारे पेलमा सेक्टर तीन, कोयला खदान को विविध पुरस्कार प्राप्त हुए। ओवरऑल ग्रुप ई (उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन से 5 मिलियन टन तक) में प्रथम, इंजीनियरिंग एक्सेवेशन में प्रथम, सेफ्टी मैनेजमेंट प्लान में प्रथम, डस्ट सप्रेशन में द्वितीय, इल्यूमिनेशन (मांइस में लाइट की व्यवस्था) में द्वितीय, एक्सप्लोसिव (विस्फोटक) में द्वितीय, गारे पेलमा सेक्टर तीन कोयला खदान द्वारा प्रदर्शित एक्सीबिशन एवं स्टॉल हेतु द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। ओवरऑल ग्रुप ई (उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन से 5 मिलियन टन तक) की श्रेणी में गारे पेलमा सेक्टर तीन कोयला खदान को विगत चार वर्षों से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हो रहा है, जो कि सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस. के. कटियार, कार्यपालक निदेशक श्री एम. आर. बागड़े द्वारा ये पुरस्कार पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह को सौंपे गये।



बिजली की कहानी 3

उमेश कुमार मिश्र
अतिरिक्त महाप्रबंधक, जनसंपर्क
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

न्यूयॉर्क और लंदन से पहले कोलकाता में बिजली

यह जानना बहुत दिलचस्प होगा कि आज दुनिया के सबसे अमीर कहे जाने वाले देश में बिजली भारत के बाद में आई। संयुक्त राष्ट्र अमेरीका के न्यूयॉर्क शहर में वर्ष 1882 में और खुद उस ब्रिटेन में, जिसने भारत को अपना उपनिवेश बना लिया था, उसके शहर लंदन में वर्ष 1888 में बिजली आई। भारत के कलकत्ता (अब कोलकाता) शहर में वर्ष 1879 में बिजली आ गई थी। यहां 24 जुलाई, 1879 को पी.डब्ल्यू.फ्लेरी एण्ड कंपनी द्वारा विद्युत प्रकाश का प्रदर्शन पहली बार किया गया था। हालाकि 7 जनवरी, 1897 को किलबर्न एण्ड कंपनी ने इंडियन इलेक्ट्रिक कंपनी के एजेण्ट के रूप में कलकत्ता इलेक्ट्रिक सप्लाई लाइसेंस हासिल किया था। मुंबई में पहली बार बिजली वर्ष 1882 में अर्थात् न्यूयॉर्क के समकक्ष क्रॉफर्ड मार्केट में बिजली आई थी।

भारत में पानी से बिजली उत्पादन का इतिहास अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की प्राचीनतम उपलब्धियों का दस्तावेज है। वर्ष 1897 में दार्जिलिंग नगरपालिका के लिए सिद्रपोंग के एक चाय बागान के पास पहला जल विद्युत संयंत्र लगाया गया था जो 130 किलोवॉट क्षमता का था। कोलकाता के नाम यह उपलब्धि भी दर्ज है कि भारत का पहला ताप बिजलीघर कोलकाता में इमामबाग लेन में 17 अप्रैल, 1899 को स्थापित हुआ था। सन् 1902 में कर्नाटक राज्य के मांडया जिले के मालावल्ली तालुका में 3600 किलोवॉट का पनबिजली घर स्थापित हुआ। कावेरी नदी के पानी से चलने वाले इस बिजलीघर से कोलार की सोना खदानों को बिजली आपूर्ति की गई। यह उस जमाने का सबसे बड़ा पनबिजलीघर था जिसे बैंगलोर की सड़कें रौशन करने का श्रेय भी जाता है। जिसने बैंगलोर को एशिया में पहली बार सड़के रौशन करने का गौरव दिलाया।महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खोपोली में सन् 1915 में 72 मेगावॉट का पनबिजलीघर पातालगंगा नदी के कछार पर लगा।

ब्रिटिश सरकार का पहला बिजली अधिनियम

बीसवीं शताब्दी की शुरूआत के साथ भारत में बिजली के विकास को लेकर वास्तविक नियामक प्रयास शुरू हुए। वर्ष 1910 में इंडियन इलेक्ट्रिसिटी (सप्लाई) एक्ट आया, जिसके अंतर्गत राज्यों को, निजी कंपनियों के माध्यम से बिजली उत्पादन तथा आपूर्ति कराने के अधिकार दिये गये। वर्ष 1935 में बिजली को समवर्ती सूची में डाला गया जिसके अनुसार केन्द्र और राज्य दोनों सरकारों को बिजली उत्पादन और आपूर्ति संबंधी अधिकार दिये गये। वर्ष 1944 तक भारत की कुल विद्युत उत्पादित स्थापित क्षमता 1280 मेगावॉट हो गई थी। जिसका 52 प्रतिशत हिस्सा बंगाल और बाम्बे प्रेसीडेंसीज में था जो कि जाहिर तौर पर निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा ही संचालित किया जाता था।

आजाद भारत का पहला बिजली अधिनियम

स्वतंत्र भारत में वर्ष 1948 में आजाद भारत का अपना इलेक्ट्रिसिटी (सप्लाई) एक्ट बना, जो कि ब्रिटिश सरकार के अधिनियम के जैसा ही था। इस अधिनियम के जरिये बिजली को तत्कॉलीन शहरों से निकलकर ग्रामीण भारत में ले जाने की भूमिका बनी, लेकिन समुचित रास्ते नहीं बन पाए। इसी अधिनियम के माध्यम से राज्य विद्युत मण्डलों के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ। वर्ष 1948 तक देश में कुल स्थापित क्षमता 1,713 मेगावॉट हो गई। इस समय तक बिजली आपूर्ति ज्यादातर बड़े शहरों में ही होती थी, मात्र आधा प्रतिशत (0.5) गांवों में ही बिजली पहुंच पाई थी। वर्ष 1951 तक देश में उत्पादित कुल बिजली का 45 प्रतिशत हिस्सा निजी कंपनियों द्वारा ही पैदा किया जाता था।

औद्योगिक क्रांति में भूमिका

वर्ष 1956 को मील का पहला पत्थर माना जा सकता है जब आजाद देश की पहली औद्योगिक नीति पारित की गई और इसमें यह प्रावधान किया गया कि बिजली के उत्पादन और वितरण का काम मूलतः शासकीय क्षेत्र में किया जाना है। वर्ष 1951 में सी.ई.ए. (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण) की स्थापना विद्युत आपूर्ति अधिनियम 1948 की धारा 3 के तहत हुई। वर्ष 1975 में इसे पूर्णकॉलिक निकाय बनाया गया। सी.ई.ए. के गठन की आवश्यकता महसूस की गई जो विभिन्न राज्यों के लिए गठित विद्युत मण्डलों का नीति संबंधी मामलों में मार्गदर्शन करें। उस दौर में सी.ई.ए. की भूमिका राज्य विद्युत मण्डलों के नियामक के रूप में भी रहीं। वर्ष 1956 के इस बदलाव के बाद निजी वितरण कंपनियों की भूमिका समाप्त प्राय हो गई। इस तरह देश में राज्य विद्युत मण्डलों के स्वर्णकॉल की शुरूआत छठवें दशक में हुई। सीपी एंड बरार राज्य में विद्युत मण्डल का गठन वर्ष 1952 में हो गया था। वर्ष 1956 में राज्य पुनर्गठन के पश्चात् भारत का पहला राज्य विद्युत मण्डल बनने का गौरव अविभाजित मध्यप्रदेश को मिला, जिसका लगभग एक तिहाई हिस्सा छत्तीसगढ़ भी था।

छठे दशक से बढ़ी रफ्तार

वर्ष 1960 से 1990 के बीच बिजली के उत्पादन, पारेषण तथा वितरण के क्षेत्र में राज्य तथा केन्द्र के स्वामित्व वाले अनेक सार्वजनिक उपक्रमों का जन्म और विकास हुआ। इन सार्वजनिक उपक्रमों ने छोटे शहरों, गांवों से लेकर कस्बों तक बिजली पहुंचाने में बड़ी भूमिका अदा की। वर्ष 1970 तक देश के कुल विद्युत उत्पादन में राज्य विद्युत मण्डलों का हिस्सा 81 प्रतिशत तक पहुंच गया। इस दौर में बिजली औद्योगीकरण की पहली शर्त बन गई और उद्योगों में बिजली की खपत सर्वाधिक तथा बिजली की दरें न्यूनतम रहीं।

1948 में दामोदर वैली कॉर्पोरेशन

इस दौर में भारत सरकार द्वारा भी अनेक सार्वजनिक उपक्रमों की स्थापना की गई। रीवर वैली कॉर्पोरेशन (डीवीसी, बीबीएमबी), एनएलसी (लिग्नाइट बेस्ड पॉवर), डीएई (न्यूक्लियर पॉवर), आरईसी, सेंट्रल जनरेटिंग कंपनीज

आजादी के बाद विद्युत विकास

एक झलक - 1947 से 2024 तक

क्रं.	विवरण	स्थापित क्षमता (मे. वा)	विद्युतीकृत गांवों की संख्या	पारेषण-वितरण लाइनों की लंबाई (सर्किट कि.मी.)	प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग (KWH)
1	31.12.1947	1,362	0	23,238	16
2	31.12.1950	1,713	3,061	29,271	18
3	31.03.1956 (प्रथम योजनाकॉल)	2,886	7,294	85,427	31
4	31.03.1961 (द्वितीय योजनाकॉल)	4,653	21,754	157,887	46
5	31.03.1966 (तृतीय योजनाकॉल)	9,027	45,148	541,704	74
6	31.03.1969 (प्रथम वार्षिक योजना)	12,957	73,739	886,301	98
7	31.03.1974 (चतुर्थ योजनाकॉल)	16,664	156,729	1,546,097	126
8	31.03.1979 (पंचम योजनाकॉल)	26,680	232,770	21,45,919	172
9	31.03.1980 (द्वितीय वार्षिक योजना)	28,448	249,799	23,51,609	172
10	31.03.1985 (छठवां योजनाकॉल)	42,585	3,70,332	32,11,956	229
11	31.03.1990 (सातवां योजनाकॉल)	63,636	4,70,838	44,07,501	329
12	31.03.1992 (द्वितीय वार्षिक योजना)	69,065	4,87,170	45,74,200	348
13	31.03.1997 (आठवां योजनाकॉल)	85,795	4,98,836	51,41,413	465
14	31.03.2002 (नवां योजनाकॉल)	1,05,046	5,12,153	60,30,148	559
15	31.03.2007 (दसवां योजनाकॉल)	1,32,329	4,82,864	69,39,894	672
16	31.03.2012 (ग्यारहवां योजनाकॉल)	1,99,877	5,56,633	87,26,092	884
17	31.03.2017 (बारहवां योजनाकॉल)	3,28,146	5,92,972	1,06,86,448	1,122
18	31.03.2018	3,45,631	5,97,121	1,19,58,511	1,149
19	31.03.2019	3,57,871	5,97,464	1,26,82,649	1,181
20	31.03.2020	3,71,334	5,97,464	1,32,79,315	1,208
21	31.03.2021	3,83,521	5,97,464	1,36,79,477	1,161
22	31.03.2022	3,99,497	5,97,464	1,39,79,990	1,255
23	31.03.2023	4,16,059	5,97,464	1,44,23,639	1,331
24	31.03.2024	4,41,970	5,97,464	1,48,95,025	1,395

ग्रामीण विद्युतीकरण के समंक 2004 तथा 2011 की जनगणना के आधार पर पुनरीक्षित परिभाषा के अनुसार

(एनटीपीसी, एनएचपीसी, एनईईपीसीओ) की स्थापना हुई।

छत्तीसगढ़ में एनटीपीसी ने ताप बिजलीघरों की एक बड़ी श्रृंखला स्थापित की। कोरबा जिले के जमनीपाली नामक स्थान पर क्रमशः सात इकाइयां स्थापित की गईं जिनकी क्षमता 2600 मेगावॉट है। इस श्रृंखला में 200-200 मेगावॉट क्षमता के तीन बिजलीघरों में पहला बिजलीघर मार्च 1983 में स्थापित हुआ, दूसरा अक्टूबर 1983 में, तीसरा मार्च 1984 में। इसके बाद 500-500 मेगावॉट क्षमता के बिजलीघर भी यहीं पर स्थापित हुए जिन्होंने क्रमशः मई 1987, मार्च 1988, मार्च 1989 और फिर दिसम्बर 2010 में उत्पादन प्रारंभ किया।

एनटीपीसी ने बिलासपुर जिले के सीपत में भी 2,980 मेगावॉट क्षमता के थर्मल पॉवर प्लांट की श्रृंखला शुरू की जिसमें 500-500 मेगावॉट की दो इकाईयां मई 2007 तथा अगस्त 2008 में क्रियाशील कर दी गई। इसके बाद 660-660 मेगावॉट क्षमता के तीन बिजलीघरों की स्थापना की गई जो क्रमशः जून 2011, दिसम्बर 2011 तथा जून 2012 में क्रियाशील हुई। एनटीपीसी ने इसके बाद रायगढ़ जिले के लारा नामक स्थान में 800-800 मेगावॉट के दो बिजलीघरों की स्थापना की जो क्रमशः 30 सितम्बर 2019 तथा 20 जुलाई 2020 को क्रियाशील किये गये। भिलाई इस्पात संयंत्र को बिजली प्रदाय के लिएएनटीपीसी और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने संयुक्त रूप से दो ताप विद्युतगृहों की स्थापना की। 250-250 मेगावॉट क्षमता के ये दो बिजलीघर क्रमशः वर्ष 2008 एवं वर्ष 2009 में क्रियाशील किये गये। इस तरह एनटीपीसी के द्वारा छत्तीसगढ़ में 7680 मेगावॉट क्षमता के ताप बिजलीघर स्थापित किये गये है। छत्तीसगढ़ राज्य में यह बिजलीघर स्थापित होने के कारण यहां उत्पादित होने वाली बिजली का एक निर्धारित हिस्सा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज को प्राप्त होता है जो प्रदेश की मांग एवं आपूर्ति के बीच संतुलन स्थापित करने के काम आता है।

एलपीजी (लिबरलाइजेशन, प्राइवेटाइजेशन, ग्लोबलाइजेशन) की खराब शुरूआत बनाम बहुमुखी परिणाम

एलपीजी युग के पहले पॉवर सेक्टर मुख्यतः राज्य व केंद्र के संयुक्त उपक्रमों के द्वारा संचालित होता था। प्रदेश तथा देश में बिजली की निरंतर बढ़ती मांग और उसके लिए पारेषण तथा वितरण की व्यवस्था करने इन सार्वजनिक उपक्रमों की अभूतपूर्व भूमिका रही। वर्ष 1980 के बाद क्रमशः गिरावट का वह दौर आया जिसमें यह तय कर दिया गया कि बिजली उत्पादन के लिए नये बिजलीघरों की स्थापना में राज्य के कोष से धनराशि न लगे और निजी कंपनियों को विद्युत उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। वर्ष 1990 में 16.66 प्रतिशत पीक शॉर्टेज तथा 7.92 प्रतिशत एनर्जी शॉर्टेज को उस दौर का सबसे खराब समय माना गया जिसके बाद और भी महत्वपूर्ण व्यावहारिक सुधारों की आवश्यकता महसूस की गई।

एलपीजी युग में महाराष्ट्र में 'एनरॉन' परियोजना की उत्साहजनक शुरूआत और दुखांत की कहानी ने बहुत से सुधारों के साथ देश की आईपीपी (इंडिपेंडेंट पॉवर प्रोड्यूसर्स) पॉलिसी में बड़े बदलाव लाए। इस तरह वर्ष 1995 में भारत सरकार ने मेगा पॉवर पॉलिसी बनाई जिसके कारण 2017 तक अर्थात 12वें योजनाकॉल के अंत तक प्रतिवर्ष 10,000 मेगावॉट विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में सार्थक प्रयास शुरू हुए।

भारी पड़ा नब्बे के दशक में बिजलीघरों का स्थापित न होना

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विनियामक आयोग के पूर्व सचिव श्री पी.एन. सिंह का लगभग सारा कैरियर फील्ड ऑफिसर के रूप में बीता। सहायक अभियंता से लेकर विनियामक आयोग के सचिव तक के लंबे दौर में उन्होंने विद्युत विकास को बढ़ते और ठिठकते हुए देखा है। अभियंता संघ के सक्रिय और समर्पित पदाधिकारी के रूप में उन्होंने बहुत सी पहलों का विरोध भी किया और शासन को बहुत से सुझाव भी दिए।

श्री सिंह याद करते है कि डीजी सेट्स के बाद जब ताप बिजलीघरों का उत्पादन का दौर शुरू हुआ तब पारेषण तंत्र का भी विकास हुआ। इस तरह असंबद्ध बिजलीघरों से जब पारेषण लाइनों की संबद्धता की शुरूआत हुई तब पारेषण नेटवर्क ग्रिड के रूप में विकसित होने लगा। वर्ष 1980 में जनकपुर तहसील मुख्यालय आखिरी तहसील मुख्यालय था जो ग्रिड से जुड़ा। उन्होंने बताया कि 11 के.वी. की सिंगल फेस लाइन को 60 किलोमीटर तक खींच कर भी कुसुमी से ऊर्जित करने का प्रयास किया गया था। वर्ष 1982 में इस तीन फेस ग्रिड नेटवर्क की शुरूआत हुई। श्री सिंह ने वह दौर देखा है जब एलपीजी कॉल की शुरूआत हुई थी। अभियंता संघ के पदाधिकारी के रूप में उन्होंने उस दौर के जिन मसलों पर आपत्ति की थी वे मुद्दे वास्तव में पॉवर सेक्टर के विकास में बाधा बने। उनका कहना है कि पॉवर सेक्टर रिफॉर्म और विद्युत अधिनियम 2003 को भी सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्रों ने अलग-अलग तरह से व्याख्यायित किया। मसलन उत्पादन, पारेषण तथा वितरण तीनों गतिविधियों को जब तक एक संस्था के अंतर्गत रखा गया तब तक इनके नियंत्रण तथा बिजली की लागत को लेकर अधिक समस्या नहीं थी। तीनों कंपनियों को अलग-अलग करने का विचार सिर्फ स्टेट यूटीलिटीज के परिप्रेक्ष्य में क्यों माना जाना चाहिए? जबकि निजी कंपनियां आज भी एक साथ तीनों गतिविधियों के संचालन के लिए लालायित है और इस प्रारूप में संचालन को बेहतर विकल्प मानती हैं। श्री सिंह का तो यह भी सुझाव है कि उत्पादन और वितरण कंपनी को एक साथ होना चाहिए। बिजली नहीं बेचने के प्रावधान



स्व. गोविंद नारायण सिंह



डॉ. के एल राव

के कारण पारेषण कंपनी को चाहे तो एक अलग कंपनी के रूप में संचालित किया जा सकता है।

श्री सिंह ने बताया कि वर्ष 1967 में मध्यप्रदेश में श्री गोविंद नारायण सिंह के मुख्यमंत्रित्व में संविद सरकार बनी थी जिसने प्रदेश के सभी तहसील मुख्यालयों को विद्युतीकृत करने का निर्णय लिया जो गांवों में बिजली पहुंचाने की एक बड़ी पहल थी। उसी तरह केंद्रीय ऊर्जा तथा सिंचाई मंत्री डॉ. के.एल राव के कार्यकॉल में किसानों के लिए सिंचाई पंप ऊर्जीकरण व ग्रामीण विद्युतीकरण को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आरईसी) की स्थापना की। उन्होंने इस काम के लिए सरकार का खजाना भी खोल दिया। आरईसी के जरिए राज्यों को एमएनपी योजना के तहत ऋण मुहैया कराने की योजना लागू की जिसमें विद्युतीकृत गांवों में बिजली का उपभोग बढ़ने पर राज्य सरकार द्वारा आरईसी को ऋण की राशि को वापस करने का प्रावधान रखा गया।

श्री राव ने देश के नागार्जुन सागर, भाखड़ा नांगल, फरक्का जैसे बड़े बांधों के डिजाइन तैयार किए थे इसलिए उनके समग्र योगदान को देखते हुए उन्हें ''आर्किटेक्ट ऑफ मॉडर्न टेम्पल्स'' के नाम से सम्मानित किया गया। वास्तव में तब तक ऊर्जा क्षेत्र राज्य स्तर पर भी आर्थिक रूप से मजबूत हो चुका था। वास्तव में नब्बे के दशक तक राज्य विद्युत मण्डल अपनी योजनाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा था, लेकिन राज्य में वित्तीय संसाधनों को लेकर जो अभाव सामने आने लगे थे उसकी पूर्ति के लिए विद्युत मण्डल को संकटमोचक बनाया गया। पहले तो पूर्व वर्षों में दी गई आर्थिक सहायता की राशि लौटाने के नाम



श्री पी.एन. सिंह

पर बड़ी राशि राज्य शासन में वेतन बांटने के नाम पर ले ली गई और फिर राज्य सरकार से ऋण के रूप में मिलने वाली मदद को पूरी तरह बंद कर दिया गया। वास्तविक लागत के आधार पर बिजली दरों के निर्धारण पर रोक लगा दी गई। बढ़ती मांग के लिए विद्युत की व्यवस्था करने में राज्य विद्युत मण्डल की अधिक राशि खर्च होने लगी लेकिन बिजली के दामों की वृद्धि को युक्ति संगत नहीं किया जा सका जिसका असर राज्य विद्युत मण्डल की संपूर्ण कार्यप्रणाली पर पड़ा। यदि नियमित रूप से बढ़ती हुई मांग के लिए पांच वर्ष पहले बिजली उत्पादन बढ़ाने की कार्ययोजना लागू की जाए तभी आगे चलकर मांग और पूर्ति में समन्वय स्थापित किया जा सकता है। इसके विपरीत राज्य के स्वामित्व के अतिरिक्त किसी भी बाहरी विद्युत उत्पादक से मिलने वाली बिजली महंगी पड़ती है। पूर्व वर्षों में यह भी हुआ कि किसी स्थान विशेष पर चार इकाइयां स्थापित होनी थी लेकिन दो इकाई स्थापित होने से यदि तात्कॉलिक समस्या का समाधान हो गया तो परियोजनाओं को वहीं पर रोक दिया गया। इससे पांच वर्षों के बाद बढ़ी हुई आवश्यकता के अनुरूप हमारे स्वामित्व के बिजलीघरों से बिजली नहीं मिली और बिजली को खरीदकर आपूर्ति करनी पड़ी। इससे दोहरा नुकसान हुआ एक ओर जहां हमारी उत्पादन क्षमता सीमित रह गई वहीं दूसरी ओर मण्डल आर्थिक बोझ से दबता चला गया। राज्य गठन के बाद अर्थात वर्ष 2000 तथा 2003 के नए कानून के बाद विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में नए सिरे से काम शुरू हुआ।

श्री सिंह बताते है कि नए दौर में जब सेंट्रल सेक्टर के बिजलीघर जब किसी राज्य में स्थापित होते है तो वहां उत्पादित बिजली का कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा राज्य को मिलता है। लेकिन डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व कॉल में जब एनटीपीसी लारा का बिजलीघर जब छत्तीसगढ़ में बना तब डॉ. रमन सिंह ने राज्य के संसाधनों के मुद्दे को बहुत ही प्रमुखता से उठाया और एनटीपीसी लारा में उत्पादित बिजली से 50 प्रतिशत हिस्से की मांग सामने रख दी। अभियंता संघ ने जो इनपुट डॉ. रमन सिंह को उपलब्ध कराया था उन्होंने अपनी मांग पुरजोर ढंग से रखने में उस इनपुट का समुचित उपयोग किया। इस तरह तत्कॉलीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की दूरदर्शिता और राज्य के विकास के लिए दृढ़ संकल्प की वजह से एक ऐतिहासिक समझौता एनटीपीसी, लारा तथा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के बीच हुआ जिसका लाभ बहुत लंबे समय तक राज्य को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि स्टेट सेक्टर के बिजलीघरों से मिलने वाली बिजली के बाद सस्ती बिजली हमें एनटीपीसी से ही मिल सकती है। श्री सिंह का कहना है कि उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली देने के लिए आज भी स्टेट सेक्टर के नए बिजलीघरों की स्थापना करना ही सर्वश्रेष्ठ विकल्प है।

क्रमशः - 4 आगामी अंक में...

मिस्ड कॉल
नए कनेक्शन के लिए राहत का पैगाम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के उपभोक्ता हितैषी प्रयासों से बिजली उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। कंपनी अपनी जनसेवाओं का विस्तार करते हुए नए बिजली कनेक्शन लेने हेतु मिस्ड कॉल सेवा की सुविधा दे रही है। इस प्रक्रिया में कंपनी द्वारा जारी रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर 74040-40625 में मिस्ड कॉल करके नए कनेक्शन के लिये आवेदन किया जाता है।



मैं सेजबहार में अपने नए मकान में विद्युत कनेक्शन लगवाना चाहता था। मुझे विद्युत वितरण कंपनी से मिस्ड कॉल नंबर सुविधा की जानकारी मिली, जिसमें मैंने 74040-40625 पर कॉल किया। कुछ देर बाद मुझे कॉल सेंटर से कॉल आया और उन्होंने मेरा नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित कुछ जानकारी मांगी। कुछ देर बाद मेरे मोबाइल पर वाट्सएप आवेदन पत्र आया, जिसे भरकर मैंने वाट्सएप कर दिया। जिसके बाद मेरे नाम से मीटर लगाने का शुल्क जमा करने का मैसेज एसएमएस से प्राप्त हुआ। मैंने उसे ऑनलाइन पेमेंट कर दिया। अगले दिन बिजली विभाग के कर्मचारी मेरे घर आए और बिजली कनेक्शन व मीटर लगाकर चले गए। इससे मुझे बहुत ही सुविधा हुई और बिना बिजली दफ्तर गए, मेरे घर रोशनी आ गई।

▪ **प्रतापचंद दास**, सेजबहार

नए कनेक्शन के लिए शुरू की गई मिस्ड कॉल सेवा का लाभ बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को मिला है। प्रदेश में अब तक इस सेवा से कुल 13379 नए कनेक्शन दिए जा चुके हैं ।

मिस्ड कॉल सर्विस के लिए उच्च स्तर पर मीनिटिरंग सिस्टम तैयार किया गया है। जिसमें हर आवेदन की ऑनलाइन मानिटिरंग की जाती है। सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए शुरू की गई मिस्ड कॉल सेवा का विद्युत उपभोक्ताओं ने काफी लाभ लिया है।

ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों के घरेलू, कृषि, व्यवसायिक, औद्योगिक समेत सभी श्रेणी के स्थाई अथवा अस्थाई उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन देने हेतु कंपनी द्वारा नंबर 74040-40625 पर मिस्ड कॉल सेवा चलाई जा रही है। मिस्ड कॉल सेवा के तहत उपभोक्ता से कॉल आने पर मिस्ड कॉल दर्ज कर लिया जाता है तथा विद्युत कंपनी के संबंधित क्षेत्र के अधिकारी द्वारा संपर्क कर उनसे अन्य आवश्यक औपचारिकता पूर्ण की जाती हैं।

मिस्ड कॉल करने पर विभाग के कॉल सेंटर के ऑपरेटर व्दारा फोन से संपर्क कर उपभोक्ता से जानकारी ली जाती है और उसका ऑनलाइन फार्म ऑपरेटर व्दारा भरा जाता है। ग्रामीण क्षेत्र के वे उपभोक्ता जो इंटरनेट नहीं चला पाते अब वे भी मिस्डकॉल के जरिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। इस नंबर को उपभोक्ता आसानी से याद रख सकें इसके लिये विशेष नंबर लिया गया है। सप्ताह के सात दिन से पहला अंक 7 फिर 40-40-40 फिर 625 अंक डायल कर यह सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। यह सुविधा 24 घंटे तथा अवकाश के दिन भी चालू रहती है। मिस्ड कॉल दर्ज होने के बाद कॉल सेंटर के ऑपरेटर उपभोक्ता को फोन करके नए आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जाती है। डिमांड राशि भुगतान के बाद नए कनेक्शन देने के लिए शहरी क्षेत्र में तीन दिन तथा ग्रामीण क्षेत्र में पांच दिन का समय तय किया गया है। उपभोक्ता व्दारा आवेदन की औपचारिकता पूरी करने के बाद तत्कॉल मोबाइल पर एसएमएस के जरिए डिमांड राशि की जानकारी भेजी जाती है, जिसका भुगतान वह शीघ्र कर सकता है।

नए बिजली कनेक्शन के त्वरित निदान के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी एनर्जी इंफोटेक सेंटर (ईआईटीसी) के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती शारदा रानी को इस 0771-2574625 नम्बर पर संपर्क कर कनेक्शनों के त्वरित निदान प्राप्त किया जा सकता है।

मोर बिजली एप से भी ऑनलाइन आवेदन- नए कनेक्शन के लिए आवेदन प्राप्ति के बाद समय सीमा में कनेक्शन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उपभोक्ताओं जिनके कनेक्शन के लिए खम्भों के माध्यम से लाइन विस्तार की आवश्यकता होती है वहाँ विस्तार के दौरान किसी प्रकार के अवरोध होने पर कनेक्शन देने में विलंब हो सकता है। ऐसे मामलों को प्राथमिकता में रखकर कनेक्शन दिए जाने का प्रयास किया जा रहा है।



मैंने पिरदा में मकान खरीदा था। मैं बाहर से आया था, इसलिए मुझे बिजली दफ्तर कहां है, इसकी जानकारी नहीं थी। मुझे पता लगा कि मेरे क्षेत्र में कनेक्शन लगाने के लिए बिजली दफ्तर 15 किलोमीटर दूर माना में स्थित है। तभी मुझे मेरे रिश्तेदार ने बिजली विभाग की मिस्डकॉल सुविधा के बारे में बताया। मैंने उसमें मिस्ड कॉल किया तो मुझे कॉल सेंटर से फोन आया और मेरा आवेदन ऑनलाइन भर दिया गया। मेरे मोबाइल पर लगभग 2112 रुपए जमा करने का मैसेज प्राप्त हुआ। मैंने ऑनलाइन बिजली कंपनी के खाते में राशि जमा की, जिसके बाद मेरे घर में एक किलोवॉट का नया कनेक्शन लग गया। इससे मुझे समय और संसाधन की बचत हुई। मुझे बिजली दफ्तर जाना नहीं पड़ा।

▪ **ईश्वरी रजक**, पिरदा

▪ **गोविंद पटेल**
प्रकाशन अधिकारी, रायपुर



श्री डी.के.तुली - पॉवर कंपनीज मुख्यालय में आयोजित समारोह में कार्यपालक निदेशक (सिविल) श्री देवेंद्र कुमार तुली को दिसम्बर में विदाई दी गई। सेवाभवन में आयोजित समारोह में पॉवर कंपनीज अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव द्वारा श्री तुली के योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर पॉवर ट्रांस्को के एमडी श्री राजेश शुक्ला एवं डिस्टीब्यूशन कंपनी (डिस्कॉम) के एमडी श्री भीमसिंह कंवर सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।



श्री आर.सी.अग्रवाल - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय में आयोजित समारोह में कार्यपालक निदेशक (पारेषण) श्री राजेश चंद्र अग्रवाल को सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई दी गई। इस अवसर पर एमडी ट्रांशमिशन श्री राजेश शुक्ला एवं एमडी डिस्ट्रीब्यूशन श्री भीमसिंह कंवर सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री के.एस.मनोठिया, श्री वी.के.साय, श्री एम.एस.चौहान, श्री संजय पटेल, श्री आर.ए.पाठक, श्रीमती ज्योति नन्नौरे, श्री संदीप मोदी, श्री वाई.बी.जैन, श्री जी.आनंद राव, श्री वी.के.दीक्षित, श्रीमती कल्पना घाटे, श्रीमती शारदा सोनवानी, श्री एस.के.गजपाल, श्री मनोज राय, श्री पी.पी.सिंह, श्री एम.जामुलकर, श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य, श्री सुभाष शर्मा, श्री एफ.ए.खान एवं श्री के.बी.पात्रे उपस्थित थे।



श्री कृष्ण कुमार शुक्ला, श्री चमन लाल साहू, श्री तुला राम कश्यप ,श्री सनद कुमार वर्मा ,श्री एम. शंकर राव - लोड डिस्पैच सेंटर में 31 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में सहायक अभियंता (सिविल) श्री कृष्ण कुमार शुक्ला, अनुभाग अधिकारी श्री चमन लाल साहू, लाइन सहायक श्रेणी-1 श्री तुला राम कश्यप एवं श्री सनद कुमार वर्मा तथा वाहन चालक श्री एम. शंकर राव को विदाई देते हुए एम डी ट्रांसमिशन श्री राजेश शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र के साथ, उनका अभिनंदन किया गया। संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद सिंह पटेल द्वारा किया गया।

श्री एमडी बड़गैया - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम डी बड़गैया को जनवरी माह में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने उन्हें सेवा प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री जे एस नेताम, श्री आर ए पाठक, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री एस के गजपाल समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री विकास शर्मा ने किया।





श्री दिनेश कुमार देवांगन, श्री भूषण प्रसाद चंद्राकर, श्री कौशल प्रसाद यादव, श्री रमेश कुमार स्वर्णकार, श्री कमलकांत शुक्ला, श्री राम लखन देवांगन एवं श्री समय लाल वर्मा - लोड डिस्पैच सेंटर में 31 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में एमडी (ट्रांसमिशन कंपनी) श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे 7 विद्युत कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर अति. मुख्य अभियंता (सिविल) श्री दिनेश कुमार देवांगन, वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री भूषण प्रसाद चंद्राकर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री कौशल प्रसाद यादव, कनिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री रमेश कुमार स्वर्णकार, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक श्री कमलकांत शुक्ला, लाईन सहायक श्रेणी-दो श्री राम लखन देवांगन एवं मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री समय लाल वर्मा को विदाई दी गई। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस.मनोठिया, श्री संजय पटेल, श्री आर.सी.अग्रवाल एवं श्री जी.आनंद राव उपस्थित थे। संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल ने किया।

श्री अंधियारी लाल बर्मन - डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से दिसम्बर में वरिष्ठ पर्यवेक्षक अंधियारी लाल बर्मन, अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये। विदाई कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल ,अति. मुख्य अभियंता श्री राजा बाबू कोसारे, श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री एल.एन. सूर्यवंशी, श्री सुनील सरना उपस्थित थे। कार्यपालन अभियंता श्री पन्ना लाल साहू द्वारा संचालन एवं आभार प्रदर्शन अधी. अभियंता (संरक्षा) श्री आर.पी. टण्डन के द्वारा किया गया।





श्री महोदधि प्रसाद निर्मलकर - हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से दिसंबर माह में कनिष्ठ पर्यवेक्षक महोदधि प्रसाद निर्मलकर के सेवानिवृत्ति के अवसर पर मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव द्वारा स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री पीके स्वैन, श्री एमके गुप्ता, श्री पीके मलघानी और श्री केएनबी राव उपस्थित थे।

श्री शेख रहीम बख्श एवं श्री नारायण सिंह - अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 31 दिसम्बर को अधीक्षण अभियंता श्री शेख रहीम बख्श एवं अनुभाग अधिकारी श्री नारायण सिंह सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया के हाथों सेवानिवृत्ति अधिकारियों को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता सर्वश्री एसडी द्विवेदी, आरके साव, एन. लकरा एवं एके शाह उपस्थित थे।





श्री विवेकानंद साव एवं श्री गंगा प्रसाद साहू - हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से जनवरी माह में कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री विवेकानंद साव एवं दफ्तरी श्री गंगा प्रसाद साहू सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर सेवानिवृत्तजनों को मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव के हाथों स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एमके गुप्ता, पीके स्वेन और केएनबी राव उपस्थित थे ।

श्री रामकृष्ण नायक - अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से जनवरी माह में सिविल विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री रामकृष्ण नायक सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया ने श्री नायक को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया। इस अवसर पर विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एसडी द्विवेदी, आरके साव, एन. लकरा एवं एके शाह उपस्थित थे।





श्री लाजरूस मिंज एवं श्री बन्धन सिंह - डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से माह जनवरी में कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री लाजरूस मिंज एवं सिविल परिचारक श्रेणी-तीन, श्री बन्धन सिंह अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता संजीव कंसल, अति. मुख्य अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री एल.एन. सूर्यवंशी, श्री सुनील सरना, श्री विजय सेन चौधरी एवं वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी के आतिथ्य में संपन्न हुआ। सेवानिवृत्त कर्मियों को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र एवं कलाई घड़ी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता श्री पन्ना लाल साहू द्वारा किया गया।

श्री एच पी गुप्ता एवं श्री रिखीराम लिल्हारे - राजनांदगांव क्षेत्र में अधीक्षण अभियंता श्री एच.पी. गुप्ता एवं लाइन सहायक श्रेणी एक श्री रिखीराम लिल्हारे के सेवानिवृत्ति पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विदाई दी गई। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री रंजीत घोष, कार्यपालन अभियंता श्री आर. के. गोस्वामी, श्री जी. एस. फ्लोरा, श्री के.एल उइके, श्री के.के. झा, श्री वी.एल. देवांगन इत्यादि उपस्थित रहे।



कोरबा पश्चिम में आनंद मेला



कोरबा पश्चिम में 18 जनवरी को आनंद मेला कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार एवं श्रीमती कटियार शिरकत हुए। आनंद मेला में ''हमर बस्तानार'' गांव की जीवंत झांकी प्रदर्शित की गई। कई रंगारंग कार्यक्रम और नृत्य प्रस्तुतियों के साथ यह आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रूबी श्रीवास्तव एवं मुख्य अभियंता श्री प्रवीण श्रीवास्तव व कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा एबीवीटीपीएस मड़वा, मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया, मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल, आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शशि कोसरिया, प्रेरणा महिला मंडल कोरबा पूर्व की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता बंजारा व श्रीमती अलका कंसल उपस्थित थे।

मड़वा में आनंद मेला



अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा की आकृति महिला मंडल द्वारा 19 जनवरी को आनंद मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक श्री एसके. कटियार एवं श्रीमती प्रभा कटियार रहीं। आनंद मेला में व्यंजनों के स्टॉल, मनोरंजक खेल के स्टाल लगाए गए। क्लासिकल म्यूजिक और बच्चों और बड़ों द्वारा वाद्य यंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति रही। इस अवसर पर आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शशि कोसरिया एवं मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया ,कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा , मुख्य अभियंता श्री प्रवीण श्रीवास्तव, श्रीमती रूबी श्रीवास्तव, श्री संजीव कंसल, श्रीमती निवेदिता बंजारा व श्रीमती अलका कंसल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्तुति महिला मंडल ने बांटे कंबल

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा के स्तुति महिला मंडल द्वारा साईं मंदिर चांपा में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया गया। इस मुहिम के लिए मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया ने सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। इस मुहिम में स्तुति महिला मंडल की अध्यक्ष-रितु रेड्डी, सचिव-सीमा देवांगन, खेल सचिव-अनुराधा खैरवार एवं सांस्कृतिक सचिव-श्रीमती रंजना साय का प्रमुख योगदान रहा।



मडवा में वार्षिक खेल उत्सव

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा के स्तुति महिला मंडल ने वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन किया। अध्यक्ष श्रीमती रितु रेड्डी ने बच्चों एवं महिलाओं के लिए 50 मीटर एवं 200 मीटर की रेस, पिक एंड ड्रॉप, बैलून रेस, स्लो साइकिल रेस ,कुर्सी दौड़, सुई धागा दौड़ और 100 मीटर की रेस का आयोजन किया गया। विजयी खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण पत्र के साथ स्मृति चिह्न दिया गया।

आदर्शिनी महिला मंडल की पिकनिक



आदर्शिनी महिला मंडल द्वारा मदकु द्वीप पर पिकनिक का आयोजन किया गया। इस मौके पर महिलाओं ने 11 वी सदी के ऐतिहासिक मंदिरों का दर्शन किया। अध्यक्ष श्रीमती प्रभा कटियार और श्रीमती मंजुला भीम सिंह कंवर के मार्गदर्शन में हुई इस पिकनिक में समाज सेवा के अंतर्गत स्कूली बच्चों को बेग,बॉटल,टिफिन बांटे गए। वही मंदिर में भोजन प्रसादी हेतु खाद्य पदार्थ प्रदान किया गया। इस मौके पर कमेटी से प्रिया चौहान, प्रविणा बापट, प्रशांति मूर्ति, वंदना खंडेलवाल, अमिता जैन, पूनम विश्वकर्मा व अन्य सदस्य सुषमा सिंह, ममता खंडेलवाल आदि भी मौजूद थीं।

बिलासपुर में हरेली-तीज



बिलासपुर रीजन की महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा छत्तीसगढ़ी पारंपरिक त्यौहार हरेली एवं हरियाली तीज पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पारेषण कंपनी के मुख्य अभियंता श्रीमती कल्पना घाटे एवं अधीक्षण अभियंता श्रीमती मधु मिंज, श्रीमती निवेदिता जायसवाल एवं समस्त अधिकारीगण - कर्मचारी उपस्थित हुए। हरियाली तीज क्वीन प्रतियागिता में शामिल विजेताओं के नामः- तीज क्वीन (श्रीमती दिशा श्रीवास्तव, श्रीमती नम्रता सोनी, श्रीमती श्रद्धा बंजारे) प्रथम उपविजेता (श्रीमती मधु मिंज, श्रीमती श्रद्धा कश्यप, श्रीमती वर्षा कुर्रे) द्वितीय उपविजेता (श्रीमती तृप्ति जांगडे, श्रीमती शिखा सिंह, श्रीमती यामिनी ठाकुर)।

मेरा घर
पीएम सूर्यघर





श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

अपने घर की छत पर अपना बिजली घर

प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली

प्लांट लगाने 30 हजार से 78 हजार रुपए तक सब्सिडी

स्वयं उत्पादित बिजली उपयोग न करने पर समायोजन की सुविधा

ऑनलाइन आवेदन, आसान रजिस्ट्रेशन

7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक-ऋण की सुविधा

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

www.pmsuryaghar.gov.in // Play Store - PMSURYAGHAR (Mobile App)

CSPDCL

बिजली के साथ सबका विकास

CSPDCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

64 लाख उपभोक्ताओं के लिए नई सेवा ...

बिजली मितान बॉट वॉट्सएप / वेब



बिजली आपूर्ति, ट्रांसफार्मर खराबी, बिजली दुर्घटना,अपनी बकाया राशि, अंतिम बिल और अंतिम भुगतान की जानकारी, उपभोक्ता सेवाएं आदि की जानकारी, समस्या बताने और समाधान जानने की सुविधा

9425551912

कैसे करे बॉट का उपयोग –

सर्वप्रथम पॉवर कंपनी के व्हाट्सऐप बॉट नंबर 9425551912 को अपने कॉन्टेक्ट लिस्ट में सेव करें। सेव करने के बाद ऊपर दिए गए नंबर पर Hi लिखकर भेजें। इसके बाद आपको भाषा (हिंदी/अंग्रेजी) का चयन करना होगा। भाषा चयन के बाद आपके द्वारा जिस नंबर से चैट किया जा रहा है, उस नंबर से पंजीकृत उपभोक्ता क्रमांक प्रदर्शित होने लगेगा, जिस उपभोक्ता क्रमांक की जानकारी आपको लेनी है उसे सेलेक्ट करना होगा। इसके बाद आपको बॉट में उपलब्ध उपभोक्ता सेवाओं की लिस्ट प्रदर्शित होने लगेगी, इसके पश्चात आपके इनपुट के आधार पर बॉट उपभोक्ता सेवाओं की जानकारी आपको उपलब्ध करा दी जाएगी। ऐसे उपभोक्ता जिनका उपभोक्ता क्रमांक मोबाइल नंबर के साथ पंजीकृत नहीं है वे अपने मोबाइल नंबर का पंजीकरण मोर बिजली ऐप, कंपनी की वेबसाइट (cspdcl.co.in), कॉल सेंटर 1912 एवं अपने बिजली ऑफिस के माध्यम से कर सकते हैं।

state power comp PR